मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 1 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ कृष्ण पक्ष 02 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 287 , पृष्ट-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

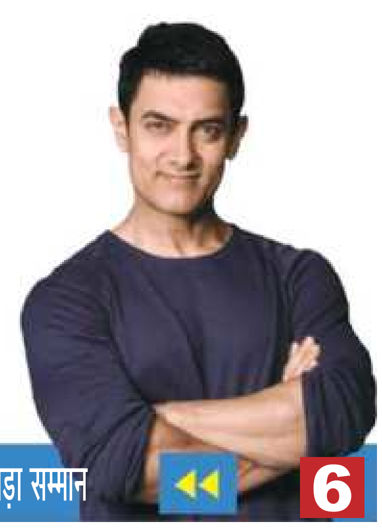

4 ▶▶ मिलावट के मकड़जाल में फंसा भारतीय उपभोक्ता

लगान के 25 साल: आमिर खान प्रोडक्शंस की आइकॉनिक फिल्म को मिला बड़ा सम्मान ◀◀ 6

हाइवा व टोटो की टक्कर में पति-पत्नी सहित तीन की मौत, तीन गंभीर

संवाददाता

साहिबगंज में एक हाइवा और टोटो की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई है। जबकि तीन अन्य लोगों की हालत गंभीर है।

साहिबगंजः राजमहल-उधवा निर्माणाधीन फोरलेन सड़क पर राजमहल थाना क्षेत्र के जामनगर के समीप बीती रात हाइवा और टोटो की टक्कर में तीन की मौत हो चुकी है। वहीं तीन गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, सभी का इलाज जारी है। घटना के दौरान मौके पर ही पति-पत्नी अयसुदीन शेख और नूर बाहार बीवी की मौत हो गई थी। जबकि चार घायल लोगों को नाजुक अवस्था में रात में रेफर कर दिया गया था। जहां इलाज के दौरान एक और व्यक्ति की मौत हो गई है।

सभी टोटो में थे सवारः घटना को लेकर बताया जा रहा है कि सभी एक समारोह से टोटो पर सवार होकर लौट रहे थे। तभी सामने से अनियंत्रित हाइवा ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे टोटो पूरी तरह से पिचक गया। जिससे टोटो में सवार यात्री उसमें फंस गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सभी को अनुमंडल अस्पताल राजमहल भेजा गया। जहां उपाधीक्षक डा उदय टुडू ने जांचोपरांत दो लोगों को मृत घोषित कर दिया और बाकी को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।

घटना के बाद ग्रामीणों ने काफी हंगामा किया और हाइवा को राजमहल थाना पुलिस के हवाले कर दिया है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने काफी देर तक प्रदर्शन किया। अस्पताल में भर्ती घायल लोगों के काफी तादाद में परिजन पहुंचे हैं। चारों तरफ इस घटना से लोग दुखी है।

घटना के समय टोटो में बानू टोला चुआर निवासी 45 वर्षीय अयसुदीन शेख, 50 वर्षीय नूर बाहार बीबी, 26 वर्षीय यासमीन खातून, 45 वर्षीय रहीम शेख, 55 वर्षीय तफनारा बीबी और टोटो चालक सवार थे। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। घटना की सूचना मिलते ही राजमहल थाना की पुलिस बल मौके पर पहुंच दुर्घटना की छानबीन में जुट चुकी है।

चुटुपालू घाटी में बेकाबू ट्रेलर ने कई वाहनों को रौंदा, मची अफरा- तफरी

मेट्रो रेज

रांची/रामगढ़ : रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत चुटुपालू घाटी में बुधवार सुबह करीब 10 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रेलर ने करीब दो किलोमीटर तक कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेलर ने चार चारपहिया वाहन, तीन दोपहिया वाहन और एक यात्री बस को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे में 15 से 20 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है।

बस में सवार यात्रियों ने बताया कि ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर उनकी बस से टकरा गया, जिसके बाद एक के बाद एक कई वाहन उसकी चपेट में आ गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर सड़क को सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है।

फिलहाल इस हादसे में किसी की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है तथा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

कस्तूरबा विद्यालय की 10वीं की छात्रा ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

मेट्रो रेज

गुमलाः जिले के भरनो प्रखंड स्थित कस्तूरबा आवासीय विद्यालय के छात्रावास में रहने वाली 10वीं कक्षा की छात्रा ने बुधवार सुबह कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही भरनो थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ विद्यालय पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।

मृत छात्रा की पहचान मोनिका कुमारी (15 वर्ष) के रूप में हुई है। वह भरनो प्रखंड के बूढ़ीपाठ गांव निवासी चैतु उरांव की पुत्री थी।

पीटी में नहीं गई, पेट दर्द का बताया था कारणः जानकारी के अनुसार, छात्रावास में कुल 27 कमरे हैं। मोनिका दूसरी मंजिल के कमरा संख्या-23 में रहती थी, जहां उसके साथ 15 अन्य छात्राएं भी रहती थीं। बुधवार सुबह सभी छात्राएं नियमित पीटी के लिए मैदान में चली गईं, लेकिन मोनिका कमरे में ही रुक गई। उसने अपनी सहेलियों से पेट दर्द होने की बात कही थी और इसी कारण पीटी में नहीं जाने की जानकारी दी थी।

कमरा अंदर से बंद मिला, दरवाजा तोड़ने पर लटकी मिली छात्राः मैदान में उपस्थिति के दौरान मोनिका के अनुपस्थित पाए जाने पर शिक्षिका ने उसकी सहेलियों को उसे बुलाने के लिए छात्रावास भेजा। छात्राएं जब कमरे पर पहुंचीं तो दरवाजा अंदर से बंद था। इसी दौरान अंदर से किसी चीज के गिरने जैसी आवाज सुनाई दी। संदेह होने पर छात्राओं ने मिलकर दरवाजा तोड़ा। अंदर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गईं। मोनिका दुपट्टे के सहारे फंदे से लटकी हुई थी। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मौके पर पहुंची पुलिस, परिजनों का रो-रोकर बुरा हालः घटना के बाद छात्रावास में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही विद्यालय प्रशासन ने पुलिस और परिजनों को जानकारी दी। मृतका के माता-पिता भी विद्यालय पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल घटना के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

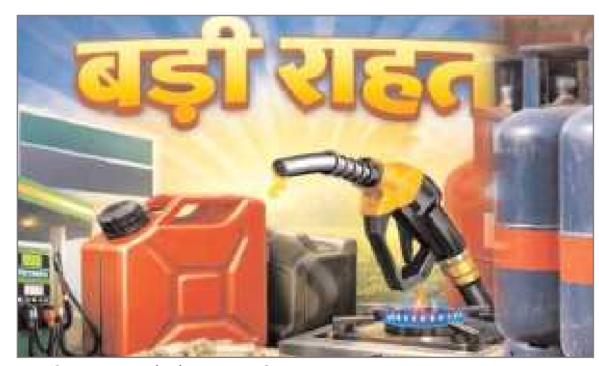

बड़ी राहतः पेट्रोल 5, डीजल 3 रुपए सस्ता, 183.50 रुपए घटी एलपीजी सिलेंडर की कीमत

नई दिल्लीः अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में गिरावट के बाद सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों ने वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए बुधवार से रसोई गैस (एलीपीजी) सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज से 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 2,930 रुपए का हो गया है। जून में इसकी कीमत 3,113 l50 रुपए थी।

इस प्रकार यहां इसकी कीमत 183.50 रुपए घटाई गई है। देश के अलग-अलग शहरों में वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत और कटौती अलग-अलग है। यह कंपनियों की लागत और अन्य स्थानीय कारकों के हिसाब से तय होती है। घरेलू इस्तेमाल वाले 14 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत अपरिवर्तित है। दिल्ली में यह 942 रुपए का मिल रहा है। इससे पहले, एक जून को वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमत बढ़ाई गई थी। दिल्ली में इसकी कीमत 42 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ी थी। देश की राजधानी में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम सात जून को 29 रुपए बढ़े थे।

नायरा का पेट्रोल-डीजल सस्ताः एक ओर जहां सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती करते हुए राहत दी है, तो वहीं भारत में प्राइवेट सेक्टर में कंपनी नायरा एनर्जी ने अपने पेट्रोल पंपों पर तेल की कीमतें घटा दी हैं। नायरा ने पेट्रोल पांच रुपए, जबकि डीजल तीन रुपए सस्ता किया है। नायरा एनर्जी के देशभर में 7000 से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस की आपूर्ति में बाधा के मद्देनजर तेल विपणन कंपनियों ने पिछले तीन महीने में एलपीजी के दाम में अच्छी खासी वृद्धि की थी। आम लोगों को राहत देने के उद्देश्य से घरेलू सिलेंडर के दाम ज्यादा नहीं बढ़ाये गये थे। अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में कमी के बाद वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम घटाए गए हैं।

देश में आज से वीबी-जी राम जी कानून लागू ग्रामीण मजदूरों को मिलेगा 125 दिन का रोजगार

मेट्रो रेज

नई दिल्लीः देशभर में ग्रामीण रोजगार योजना को लेकर एक नई चर्चा तेज हो गई है। सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर यह दावा किया जा रहा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मगनरेगा) की जगह वीबी-जी राम जी नामक नई योजना लागू कर दी गई है। इस दावे के मुताबिक अब ग्रामीण परिवारों को पहले की तुलना में अधिक रोजगार और ज्यादा मजदूरी मिलेगी।

वायरल दावे के अनुसार नई व्यवस्था में 100 दिनों की जगह 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी। साथ ही मजदूरों की दैनिक मजदूरी 299 से बढ़ाकर 327 किए जाने की बात भी कही जा रही है। इन दावों के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना को लेकर काफी चर्चा है और लोग इसकी वास्तविकता जानना चाहते हैं।

क्या कहा जा रहा है? : सोशल मीडिया पर वायरल जानकारी के अनुसार नई योजना में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। दावा किया जा रहा है कि सरकार ने ग्रामीण रोजगार को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से रोजगार की अवधि बढ़ाने का फैसला लिया है। इसके तहत प्रत्येक पात्र परिवार को पहले की तुलना में 25 दिन अतिरिक्त रोजगार मिलेगा। इसी के साथ मजदूरी दर में भी बढ़ोतरी का दावा किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि अब लाभार्थियों को 299 के बजाय 327 प्रतिदिन की दर से भुगतान किया जाएगा, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होगी।

ग्रामीण मजदूरों को क्या हो सकता है फायदा? : यदि इस प्रकार की कोई योजना आधिकारिक रूप से लागू होती है, तो इसका सबसे बड़ा लाभ ग्रामीण मजदूरों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को मिल सकता है। रोजगार के दिनों में वृद्धि होने से परिवारों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा। बढ़ी हुई मजदूरी महंगाई के दौर में आर्थिक राहत देने में भी मददगार साबित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि रोजगार गारंटी योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका को मजबूत करना और पलायन को कम करना होता है। ऐसे में रोजगार अवधि और मजदूरी बढ़ने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

आधिकारिक स्थिति क्या है? : हालांकि, इस खबर को लेकर एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि किसी भी सरकारी योजना में बदलाव या नई योजना लागू होने की पुष्टि संबंधित मंत्रालय या केंद्र सरकार की आधिकारिक अधिसूचना से ही होती है।फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर वायरल दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए यह कहना कि मनरेगा की जगह पूरी तरह वीबी-जी राम जी लागू हो गई है, तब तक उचित नहीं होगा जब तक सरकार की ओर से स्पष्ट और आधिकारिक आदेश जारी न किया जाए। किसी भी सरकारी योजना में बदलाव होने पर संबंधित मंत्रालय विस्तृत दिशा-निर्देश, अधिसूचना और कार्यान्वयन प्रक्रिया सार्वजनिक करता है। इसलिए नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे केवल आधिकारिक स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें।

हरियाणा सीएम हाउस और चंडीगढ़ के स्कूलों को उड़ाने की धमकी, आज ही खुले थे स्कूल, मचा हड़कंप

चंडीगढ़ : बुधवार सुबह चंडीगढ़ के स्कूलों और हरियाणा सीएम के दफ्तर को बम से उड़ाने की धमकी मिली। जानकारी के मुताबिक ये धमकी इमेल के जरिए भेजी गई। जिसके बाद पुलिस अलर्ट पर आ गई। बता दें चंडीगढ़ के स्कूल आज ही गर्मी की छुट्टियों के बाद खुले है। पहले चंडीगढ़ सेक्टर-31 स्थित एयर फोर्स स्कूल को धमकी भरा ई-मेल मिला। यह धमकी भरी ईमेल आई है।

इसके बाद सेक्टर-37बी और 37डी के गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-38 के विवेक हाई स्कूल, सेक्टर-26 के सेक्रेड हार्ट स्कूल और स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल, सेक्टर-40 के डीपीएस तथा सेक्टर-9 के कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल को भी इसी तरह के धमकी भरे ई-मेल मिलने की सूचना मिली। मेल में कहा कि बम धमाके, आईडी ड्रोन। चंडीगढ़ के सारे स्कूलों में दोपहर 1.11 बजे, जबकि सीएम सैनी हरियाणा आफिस दोपहर 3.11 बजे का समय दिया है। धमकी भरे ई-मेल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस। जयशंकर को भी निशाना बनाया गया है। इसके साथ ही दावा किया गया है कि रेलवे ट्रैक भी उनके निशाने पर हैं। लोगों से रेल यात्रा नहीं करने और 15 अगस्त को अपने बच्चों को परेड में नहीं भेजने की धमकी भी दी गई है।

रिश्वत लेने का मामलाः सेवानिवृत्त सब-इंस्पेक्टर को हाईकोर्ट से राहत

उमेश सिंह के खिलाफ चलायी गई विभागीय कार्रवाई अनुचितः हाईकोर्ट

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य पुलिस की ओर से दायर अपील को खारिज करते हुए सेवानिवृत्त सब-इंस्पेक्टर (दारोगा) उमेश कुमार सिंह को बड़ी राहत दी है। अदालत ने माना कि उनके खिलाफ चलायी गई विभागीय कार्यवाही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए की गई थी, इसलिए उस पर आधारित दंड टिक नहीं सकता।

एकल पीठ के फैसले को खंडपीठ ने रखा बरकरारः मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनाक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने एकल पीठ के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें तत्कालीन सब-इंस्पेक्टर उमेश कुमार सिंह पर लगाई गई विभागीय सजा को रद्द कर दिया गया था। उमेश कुमार सिंह वर्ष 1989 में सीधे सब-इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्त हुए थे।

2010 में लगे थे रिश्वत लेने के आरोपः वर्ष 2010 में चाईबासा के मुफस्सिल थाना प्रभारी के रूप में तैनाती के दौरान उन पर एक आपराधिक मामले में जब्त ट्रकों को छोड़ने के एवज में रिश्वत लेने का आरोप लगा था। शिकायत के आधार पर विभागीय जांच शुरू की गई और अनुशासनात्मक प्राधिकारी ने उनकी एक वार्षिक वेतन वृद्धि रोक दी। साथ ही निलंबन अवधि के दौरान निर्वाह भत्ते के अतिरिक्त वेतन देने से भी इनकार कर दिया। विभागीय अपील भी खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

राज्य सरकार की अपील भी हुई खारिजः मई 2024 में हाईकोर्ट की एकल पीठ ने विभागीय दंड को रद्द कर दिया था। इस फैसले को राज्य सरकार ने खंडपीठ में चुनौती दी, लेकिन अदालत ने सरकार की यह दलील स्वीकार नहीं की कि अधिकारी के जांच में शामिल नहीं होने से उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ। कोर्ट ने कहा कि विभागीय जांच की पूरी प्रक्रिया ही गंभीर प्रक्रियात्मक खामियों से ग्रस्त थी।

जांच प्रक्रिया पर कोर्ट की सख्त टिप्पणीः खंडपीठ ने पाया कि विभागीय जांच के दौरान किसी भी गवाह का परीक्षण नहीं किया गया। यहां तक कि शिकायतकर्ता, जिसके आरोपों के आधार पर पूरी कार्रवाई शुरू हुई थी, उसे भी जांच अधिकारी के समक्ष पेश नहीं किया गया। केवल दस्तावेजों के आधार पर जांच पूरी कर दंडात्मक कार्रवाई कर दी गई, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है।

अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि उमेश कुमार सिंह वर्ष 2022 में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। ऐसे में राज्य सरकार की अपील खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने उन्हें एकल पीठ द्वारा दी गई राहत को बरकरार रखा।

विधायक सुरेश बैठा के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर हुई सुनवाई

रांचीः कांके विधानसभा के मौजूदा विधायक सुरेश कुमार बैठा के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई, जहां हाई कोर्ट ने प्रार्थी जीतू चरण राम को इश्यू फ्रेम करने का आदेश दिया।

धांधली का आरोपः दरअसल, पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रत्याशी जीतू चरण राम ने चुनाव के दौरान धांधली का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि गुडमू क्षेत्र के 18 ईवीएम रात भर स्ट्रांग रूम में नहीं रखे गए। आरोप है कि सहायक निर्वाचन पदाधिकारी के साथ मिलकर ईवीएम को अज्ञात स्थान पर रखा गया, जहां न तो सीसीटीवी था और न ही एजेंटों की मौजूदगी थी। जबकि जीत-हार का अंतर 1,000 वोट से भी कम है। ऐसे में मौजूदा विधायक सुरेश कुमार बैठा ने धांधली कर जीत हासिल की है, इसलिए उनके निर्वाचन को रद्द किया जाना चाहिए। मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को होगी।

न्यूज IN ब्रीफ

स्वास्थ्य केंद्र के समीप शराब व मांस की दुकान से परेशानी

चतरा: लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के लमटा सब सेंटर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के आसपास मांस और शराब की दुकानों के कारण स्थानीय लोगों को घोर परेशानियों और असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।स्वास्थ्य केंद्र के चारों ओर शराबियों और मांसाहारियों की गतिविधियों से क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है, जिससे स्थानीय जनप्रतिनिधियों में काफी रोष व्याप्त है।जनप्रतिनिधियों ने बताया कि इस संबंध में कई बार संबंधित लोगों से अनुनय-विनय कर व्यवस्था सुधारने का आग्रह किया गया, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।उन्होंने कहा कि जहां स्वास्थ्य केंद्र परिसर और उसके आसपास का क्षेत्र साफ-सुथरा, स्वच्छ एवं कचरा मुक्त होना चाहिए,वहीं यहां मांस के अवशेष, शराब की पाउच और खाली बोतलें बिखरी रहती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र से सटे क्षेत्र में झाड़ियों और पेड़-पौधों के बीच कई स्थानों पर आग जलाकर मांस पकाया जा रहा है। जिस भूमि पर यह गतिविधियां संचालित हो रही हैं, वह वन विभाग की बताई जा रही है। इसके बावजूद॰ संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।गौरतलब है कि बगरा-चतरा मुख्य सड़क किनारे स्थित इस स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में परिसर के आसपास फैली गंदगी और असामाजिक गतिविधियों से मरीजों एवं उनके परिजनों को काफी असुविधा हो रही है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर स्वास्थ्य केंद्र परिसर को अतिक्रमण और गंदगी से मुक्त कराने की मांग की है।

अड़की में जन शिक्षण संस्थान द्वारा श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया हूल दिवस

खूंटी : जन शिक्षण संस्थान, खूंटी द्वारा अड़की प्रखंड में हूल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्थानीय मुखिया शांति देवी एवं विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान खुदीराम सिंह मुंडा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सिद्धू-कान्हू सहित हूल क्रांति के अन्य वीर शहीदों के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि शांति देवी ने अपने संबोधन में हूल दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिद्धू-कान्हू का बलिदान आज भी समाज को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, एकता एवं सामाजिक उत्थान के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने जन शिक्षण संस्थान, खूंटी द्वारा संचालित कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए उपयोगी पहल बताया। जन शिक्षण संस्थान, खूंटी के कार्यक्रम पदाधिकारी सुब्रत सेन प्रधान ने सिद्धू-कान्हू के संघर्ष एवं बलिदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न कौशल प्रशिक्षण (ट्रेड), स्वरोजगार के अवसर तथा प्रशिक्षण से मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार शशि प्रकाश ने सिद्धू, कान्हू, चांद, भैरव तथा फूलो-झानो के जीवन, संघर्ष और योगदान पर विस्तृत जानकारी देते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी (आजीविका) प्रभावती कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर एमआईएस प्रभारी राजीव ठाकुर, दसाय नाग, प्रशिक्षिका मोती कुमारी, अपर्णा कुमारी, प्रेमी प्रतिमा सहित 70 से अधिक प्रशिक्षणार्थी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

लाखों की अवैध शराब जब्त, एक गिरफ्तार, पांच पर प्राथमिकी

खूंटी: जिले के अड़की थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये मूल्य की विदेशी शराब जब्त की है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है, जबकि कुल पांच लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार, अड़की बाजार स्थित हब्लू डब्लू फास्ट फूड दुकान में अवैध शराब की बिक्री एवं भंडारण किए जाने की गुप्त सूचना खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जामुदा को मिली थी। सूचना के आधार पर एसडीपीओ ने अड़की थाना पुलिस के साथ तत्काल छापेमारी की। छापेमारी के दौरान फास्ट फूड दुकान एवं उससे जुड़े घर की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में विभिन्न ब्रांडों की कुल 463 बोतल अवैध शराब बरामद की गई। जब्त शराब का बाजार मूल्य लाखों रुपये बताया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दुकान संचालक अजय कुंडू उर्फ डब्लू कुंडू को मौके से गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने इस मामले में कुल पांच व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। मामले की जांच जारी है और पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अवैध शराब का नेटवर्क किन-किन लोगों से जुड़ा हुआ है तथा इसकी आपूर्ति कहां से की जा रही थी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और इसमें संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

बलकेल गांव में हाथी का आतंक

तीन घर तोड़ा, धान-चावल खाया, दहशत में ग्रामीण

संवाददाता

रनिया (खूंटी) : खूंटी जिले में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। एक ओर दिन के उजाले में हाथी जंगलों से निकलकर मुख्य सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं, वहीं रात के अंधेरे में ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर किसानों के घरों और फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मंगलवार (30 जून) की रात करीब 11 बजे रनिया प्रखंड के बलकेल गांव में एक जंगली हाथी घुस आया। हाथी ने गांव में जमकर उत्पात मचाते हुए तीन किसानों के कच्चे खपरैल मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया और घरों में रखे धान व चावल को खा गया। इस घटना से पीड़ित परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। सबसे अधिक नुकसान चरका नाग के घर को हुआ। घटना के समय परिवार के तीन सदस्य घर के अंदर सो रहे थे। हाथी के हमले की आवाज सुनते ही तीनों ने चौकी के नीचे छिपकर किसी तरह अपनी जान बचाई। यदि समय रहते वे सतर्क नहीं होते तो बड़ा हादसा हो सकता था। इसके अलावा हाथी ने लक्ष्मण नाग और पार्वती देवी के कच्चे मकानों को भी तोड़ दिया। मकानों के भीतर रखी खाद्य सामग्री खाने के साथ-साथ दैनिक उपयोग की कई वस्तुओं को भी नुकसान पहुंचाया। लगातार हो रही बारिश के बीच मकानों के क्षतिग्रस्त हो जाने से पीड़ित परिवारों के सामने रहने की भी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। घटना के बाद ग्रामीणों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं वन विभाग को इसकी सूचना दी। पीड़ित परिवारों ने हाथी द्वारा पहुंचाए गए नुकसान का उचित मुआवजा देने और क्षेत्र में हाथियों के आतंक से राहत दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रखंड क्षेत्र में लगातार जंगली हाथियों की आवाजाही बढ़ रही है, जिससे लोग भय के साये में जीवन जीने को मजबूर हैं। किसानों को मकानों के साथ-साथ अनाज और अन्य सामान का भी लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों की निगरानी बढ़ाने और प्रभावित परिवारों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

राष्ट्रीय अंबेडकर सेवा समिति का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

संवाददाता

चतरा : राष्ट्रीय अंबेडकर सेवा समिति के तत्वावधान में लावालौंग प्रखंड मुख्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन डिस्कवरी प्ले स्कूल में किया गया।समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं,अभिभावक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि चतरा कॉलेज चतरा के बीएड संभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नंद किशोर सिंह सुलभ एवं विशिष्ट अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी बिपिन भारती ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के विकास का सबसे सशक्त माध्यम है।उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन,निरंतर अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।वहीं बीडीओ बिपिन भारती ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान समाज को नई दिशा देने का कार्य करता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के आयोजक एवं भाजपा झारखंड प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष रंजय भारती ने कहा कि राष्ट्रीय अंबेडकर सेवा समिति का उद्देश्य समाज के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है।उन्होंने कहा कि समिति भविष्य में भी शिक्षा,सामाजिक जागरूकता एवं युवा सशक्तिकरण के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।इस अवसर पर भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष शंकर साहू, रक्तमित्र के संस्थापक विवेक केशरी,भाजपा मंडल अध्यक्ष खगेश्वर साहू,पंकज केशरी,पूर्व छात्र अध्यक्ष चतरा कॉलेज चतरा के रवि विश्वकर्मा, नीरज चंद्रवंशी, अक्षय ठाकुर, चुरामन साहू, अरविंद नंद कश्यप,विरोधी गंझू, रामजीत गंझू सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

आपसी विवाद में लाठी-डंडे से पीट-पीटकर पत्नी की हत्या, आरोपी पति फरार

चतरा: जिले के कुंदा थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ हरदियाटांड़ गांव में आपसी विवाद में एक क्रूर पति ने अपनी ही पत्नी की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। मृतका की पहचान 25 वर्षीय कैली देवी के रूप में हुई है। स्थानीय ग्रामीण मंगल परहिया के अनुसार, आरोपी पति मंसू परहिया ने अपनी पत्नी को बेरहमी से पीटा। वारदात के बाद घर की छत पर खून के धब्बे और हत्या में इस्तेमाल किए गए लाठी-डंडे भी पाए गए हैं। घटना को अंजाम देने के बाद से आरोपी पति और उसके परिजन घर छोड़कर फरार हैं। कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार ने बताया कि पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतका के परिजनों के आवेदन या पुलिस की तरफ से मामला दर्ज कर फरार आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, उन्हें किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को दी भावभीनी विदाई

रांची : वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मंगलवार को नवीन पुलिस केंद्र में सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित कर उनके योगदान को याद किया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक (नगर), पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), पुलिस अधीक्षक (यातायात), कई पुलिस उपाधीक्षक एवं थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानित किया।

इंदुमती टिबड़ेवाल के वरीय आचार्य अनिल रॉय को दी गई विदाई

संवाददाता

चतरा : सेवा, संस्कार और शिक्षा के लिए प्रसिद्ध जिला मुख्यालय स्थित दीभा,चतरा के स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में मंगलवार को विद्यालय के वरीय हिंदी आचार्य अनिल रॉय के सेवानिवृत्ति उपलक्ष्य में विदाई सह सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव संजय सिन्हा, प्रभारी प्रधानाचार्या सुशीला कुमारी की उपस्थिति में विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार सिंह ने अनिल रॉय के लगभग 37 वर्षों के उत्कृष्ट सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और विद्यालय के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके साथ बिताए गरिमामयी और यादगार क्षणों को साझा किया साथ ही उनके सौम्य व्यक्तित्व, कर्तव्यनिष्ठ और विद्यालय के प्रति समर्पण की सराहना की।

कार्यक्रम में संगीत आचार्य सिद्धेश्वर गोस्वामी एवं आचार्या मौली मिश्रा द्वारा प्रस्तुत भावुक और मार्मिक गीत को सुनकर सभी के आंखे भर आई। तत्पश्चात विद्यालय परिवार की ओर से सेवानिवृत्त आचार्य को बुके, श्रीमद्भागवत गीता, शॉल, अंगवस्त्र, डायरी, कलम, घड़ी, ट्रॉली बैग, वस्त्र तथा उपादान (ईपीएफ एवं ग्रेच्युटी) की चेक राशि भेंट कर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के तीनों खंड प्रभारी शिवनंदन शर्मा, अजय रजक* एवं अयोध्या प्रसाद सिंह ने उनके अनुशासित व्यक्तित्व, शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान और प्रेरणादायी सेवाओं की सराहना करते हुए अपने अनुभव एवं संस्मरणों के द्वारा अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की।अपने संबोधन में अनिल रॉय ने विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए वर्ष 1989 से 2026 तक की अपनी शिक्षकीय यात्रा साझा करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि विद्यालय उनके लिए केवल कार्यस्थल नहीं, बल्कि परिवार रहा है।अपने पद,प्रतिष्ठा को कभी ज्यादा तवज्जो नहीं देकर विद्यालय विकास में ज्यादा समर्पित रहे।कार्यक्रम के दौरान उनके आंखों से बहती अश्रुधारा यह स्पष्ट कर रही थी कि विद्यालय से उनका कितना गहरा संबंध रहा।अंत में विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के माननीय सचिव संजय सिन्हा ने कहा कि अनिल रॉय ने अपने स्नेहिल आचरण, सरल स्वभाव और उत्कृष्ट व्यवहार से कभी किसी को शत्रु नहीं बनाया।समय का तकाजा है हम सभी उसमें बंधे है और एक न एक दिन सभी को सेवानिवृत्त होना पड़ता है ,उन्होंने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

पिपरवार में टीएसपीसी के दो सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

चतराः चतरा एसपी अनिमेष नैथानी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पिपरवार पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में नक्सली संगठन टीएसपीसी के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पिपरवार थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में टंडवा के एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार ने बताया कि पिपरवार थाना क्षेत्र के कल्याणपुर के पास संगठित अपराध व नक्सल कांडो को लेकर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में पिपरवार थाना कांड संख्या 23/25, दिनांक- 05.08.2025, धारा - 25(1-ए)25(1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट 17(।)(।।) सीएलए एक्ट के तहत फरार चल रहे नक्सली संगठन टीएसपीसी के दो सक्रिय सदस्य मसी तिग्गा(29 वर्ष) व किरण नगडवार (45 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। दोनों नक्सली टंडवा थाना क्षेत्र के खंधार एवं चिरलौंगा गांव के रहनेवाले हैं। उन्होंने बताया कि दोनों नक्सलियों को न्यायालय मे अग्रसारित किया जा रहा है । दोनों नक्सलियों पर रंगदारी, आगजनी, आर्म्स एक्ट मे पूर्व का आपराधिक इतिहास भी रहा है। एसडीपीओ श्री बरवार ने बताया कि वर्तमान समय में दोनों नक्सली हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र के जोभीया गांव में रह रहे थे। एसडीपीओ ने बताया कि नक्सली सदस्य मसी तिग्गा पर पिपरवार थाना कांड संख्या - 14/24, धारा - 25(1-ए)25(1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट, 17(।)(।।) सीएलए एक्ट & 17.18.20 यूएपी एक्ट

(।) पिपरवार थाना कांड संख्या - 06/24, धारा - 25(1-अ)25(1-बी)/26/35 आर्म्स एक्ट, 17(।)(।।) सीएलए एक्ट & 16.17.18.20 यूपीपी एक्ट

(।) टंडवा थाना कांड संख्या - 38/24, धारा - 385/387/506/34 भा0द0वि0 & 27 आर्म्स एक्ट, 17(।)(।।) सीएलए एक्ट (वी)

खलारी थाना कांड संख्या - 27/24, धारा -307/34 भादवि, 17 सीएलए एक्ट & 27 आर्म्स एक्ट

(वी) पिपरवार थाना कांड संख्या - 55/23, धारा- 341/324/385/386/387/427/435/436/504/506/34/120 बी भादवि

(वी) पिपरवार थाना कांड संख्या - 13/24, धारा - 341/323/325/385/387/504/506 भादवि 17 सीएलए एक्ट & 27 आर्म्स एक्ट

- 12/24, धारा - 385/387 भादवि व 17 सीएलए एक्ट

(वी) खलारी थाना कांड संख्या - 54/23, धारा - 387 भादवि 17सीएलए एक्ट & 27 आर्म्स एक्ट

(।एक्स) पिपरवार थाना कांड संख्या - 46/23, धारा - 341/384/385/386/435/427/504/506/34/120 बी भादवि 17 सीएलए एक्ट & 27 आर्म्स एक्ट

(एक्स) पिपरवार थाना कांड संख्या - 45/12, धारा - 341/342/323/353/501/427/34 भादवि

एवं किरण नगडवार पर

(।) पिपरवार थाना कांड संख्या झ 14/24, धारा 25(1-ए)25(1-बी)ए/26/35 आर्म्स एक्ट, 17()() सीएलए एक्ट & 17.18.20 यूएपी एक्ट,(।) टंडवा थाना कांड संख्या - 38/24, धारा -385/387/506/34 भा0द0वि0 & 27 आर्म्स एक्ट, 17(।)(।।) सीएलए एक्ट

(।) पिपरवार थाना कांड संख्या - 12/24, धारा - 385/387 भादवि व 17 सीएलए एक्ट

(वी) पिपरवार थाना कांड संख्या - 13/24, धारा - 341/323/325/385/387/504/506 भादवि 17 सीएलए एक्ट & 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

झारखंड को मिले चार नए सूचना आयुक्त राज्यपाल ने दिलाई शपथ

समारोह में शामिल रहे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

गुलाम शाहिद

रांची: मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बुधवार को लोकभवन में आयोजित नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुए। लंबे इंतजार के बाद झारखंड को चार नए राज्य सूचना आयुक्त मिले।

गरिमामय समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, शिवपूजन पाठक एवं अमूल नीरज खलखो को राज्य सूचना आयुक्त पद की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव एवं निष्पक्ष कार्यशैली से राज्य में सूचना के अधिकार अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा तथा शासन व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, राज्यसभा सांसद महुआ माजी तथा बैद्यनाथ राम सहित राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी, प्रशासनिक पदाधिकारी, गणमान्य अतिथि एवं अन्य संबंधित व्यक्ति उपस्थित रहे तथा सभी ने नवनियुक्त आयुक्तों को उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

8 लाख के गहने और 50 हजार नकद लेकर कथित प्रेमी संग फरार हुई पत्नी, पति ने दर्ज कराई प्राथमिकी

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची के विधानसभा थाना क्षेत्र स्थित डैम साइड, डीटी-940 के समीप रहने वाले राजकमल ने अपनी पत्नी रोशनी कुमारी पर करीब 8 लाख के सोने-चांदी के गहने और 50 हजार नकद लेकर कथित प्रेमी अर्जुन सोनी के साथ फरार होने का आरोप लगाया है। मामले में विधानसभा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, राजकमल ने आरोप लगाया है कि पत्नी के मायके पक्ष को उसके कथित प्रेम संबंध की पहले से जानकारी थी, लेकिन यह बात छिपाकर उससे विवाह कराया गया।

राजकमल के अनुसार, 23 जून की रात करीब 1 बजे रोशनी कुमारी बिना किसी को बताए घर से निकल गई। रात करीब 2 बजे जब उनकी नींद खुली तो पत्नी घर में नहीं थी। कमरे का सामान बिखरा हुआ था। गोदरेज आलमारी की जांच करने पर उसमें रखे लगभग 8 लाख के सोने-चांदी के गहने और 50 हजार नकद भी गायब मिले।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि रोशनी कुमारी अपने कथित प्रेमी अर्जुन सोनी के साथ मिलकर गहने और नकदी लेकर फरार हो गई है। राजकमल ने पुलिस से यह भी अनुरोध किया है कि यदि जांच में यह आरोप सही पाए जाते हैं और मायके पक्ष की संलिप्तता सामने आती है, तो संबंधित लोगों के विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाए।

फिलहाल विधानसभा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। मामले की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ओरमांझी में अवैध शराब फैक्ट्री पर उत्पाद विभाग का छापा, 400 कार्टून शराब जब्त, कई हिरासत में

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची के ओरमांझी थाना क्षेत्र में पुलिस और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कथित अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना के आधार पर देर रात की गई छापेमारी में भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई।

जानकारी के अनुसार, टीम ने तरंगनी बॉटलर्स नामक परिसर में छापा मारा, जहां बिना वैध लाइसेंस के अवैध रूप से शराब का निर्माण और पैकेजिंग किए जाने का आरोप है। कार्रवाई के दौरान करीब 400 कार्टन अवैध शराब जब्त की गई। इसके अलावा मौके से उत्तर प्रदेश राज्य का होलोग्राम भी बरामद हुआ है, जिससे जांच एजेंसियों को फर्जी ब्रांडिंग और अंतरराज्यीय नेटवर्क की आशंका है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है। सभी से पूछताछ की जा रही है और फैक्ट्री के संचालन से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

बिहार-झारखंड में सप्लाई की आशंका: प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस यूनिट में बड़े पैमाने पर अवैध शराब तैयार कर झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा पड़ोसी राज्य बिहार में भी सप्लाई की जा रही थी। बिहार में शराबबंदी लागू होने के कारण वहां ऊंचे दामों पर तस्करी की आशंका जताई जा रही है।

फिलहाल पुलिस और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में शामिल शराब तस्करों और माफियाओं की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रांची से एयर इंडिया एक्सप्रेस की 4 और इंडिगो की 1 फ्लाइट आज से बंद

एयर फ्यूल की बढ़ती लागत और विमानों की कमीबना कारण

रांची: रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से एक जुलाई से अलग-अलग शहरों के लिए संचालित पांच नियमित उड़ानों का परिचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है. इनमें एयर इंडिया एक्सप्रेस के चार और इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान शामिल हैं. एयरलाइन कंपनियों ने एयर टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती लागत और विमानों की कमी को इस निर्णय का प्रमुख कारण बताया है. स्थिति सामान्य होने तक यह व्यवस्था प्रभावी रहेगी.

इन 5 उड़ानों को किया गया बंद : बंद की गईं उड़ानों में एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आइएक्स 2379/2378 (दिल्ली-रांची-दिल्ली), आइएक्स 1053/1051 (दिल्ली-रांची-दिल्ली), आइएक्स 2373/2372 (हैदराबाद-रांची-मुंबई) और आइएक्स 2375/2374 (मुंबई-रांची-हैदराबाद) शामिल हैं. इसके अलावा इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई7317/6ई7251 का संचालन भी फिलहाल रोक दिया गया है. इन उड़ानों के बंद होने से रांची से दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और कोलकाता आने-जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. खासकर व्यावसायिक यात्रियों, छात्रों और इलाज के लिए यात्रा करने वाले लोगों पर इसका असर पड़ने की संभावना है. यात्रियों को वैकल्पिक उड़ानों में टिकट बुक कराने या यात्रा कार्यक्रम में बदलाव भी करना पड़ सकता है.

एक विमान रद्द, कई देर से उड़े: इंडिगो एयरलाइंस का भुवनेश्वर-रांची विमान (6ई7361) मंगलवार को रद्द कर दिया गया. इस बारे में एयरलाइंस के अधिकारी ने बताया कि तकनीकी कारणों से विमान को रद्द किया गया. इसकी सूचना यात्रियों को फोन पर दे दी गई थी. वहीं, मौसम खराब होने के कारण आधा दर्जन से अधिक विमान देर से रांची एयरपोर्ट से उड़े. इसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस का रांची-मुंबई विमान सुबह 8.50 की जगह सुबह 9.45 बजे, रांची-बेंगलुरु विमान सुबह 9.35 की जगह सुबह 10.00 बजे, रांची-दिल्ली विमान दोपहर 12.00 की जगह दोपहर 12.20 बजे, इंडिगो का रांची-मुंबई विमान दोपहर 1.40 की जगह 2.15 बजे, रांची-पटना विमान दोपहर 1.55 की जगह 2.20 बजे, रांची-दिल्ली विमान दोपहर 2.50 बजे की जगह दोपहर 3.42 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस का रांची-दिल्ली विमान दोपहर 3.00 की जगह दोपहर 3.25 बजे, रांची-मुंबई विमान दोपहर 3.10 बजे की जगह 3.50 बजे, इंडिगो का रांची-कोलकाता विमान दोपहर 3.40 बजे की जगह शाम 4.15 बजे उड़ा.

विश्व रक्तदाता दिवस पर 41 नियमित रक्तदाता सम्मानित, 'लहू बोलेगा' के तीन सदस्य हुए सम्मानित

गुलाम शाहिद

रांची: विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में रांची जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा रांची सदर अस्पताल स्थित पूर्व सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिले के 41 व्यक्तिगत नियमित रक्तदाताओं को उनके उत्कृष्ट एवं निरंतर रक्तदान के लिए स्मृति चिन्ह, प्रशंसा प्रमाण-पत्र तथा झारखंडी अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वालों में सामाजिक संस्था 'लहू बोलेगा' रक्तदान संगठन के सक्रिय सदस्य नदीम खान को लगातार सातवें वर्ष सम्मानित किया गया। वहीं संगठन के इंजीनियर शाहनवाज अब्बास एवं मोहम्मद बब्बर को भी नियमित रक्तदान एवं मानवीय सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदाता समाज के वास्तविक नायक हैं, जिनके निस्वार्थ योगदान से प्रतिदिन अनेक लोगों का जीवन बचाया जा रहा है। कार्यक्रम में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश सिंह, डीआरसीएमएचओ डॉ. असीम मांझी, डीपीएम प्रवीण सिंह तथा रांची सदर अस्पताल ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ. रंजू सिन्हा ने संयुक्त रूप से रक्तदाताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में 'लहू बोलेगा' रक्तदान संगठन ने अपने तीन सक्रिय नियमित रक्तदाताओं को सम्मानित किए जाने पर रांची जिला स्वास्थ्य विभाग एवं रांची सदर अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। संगठन ने कहा कि इस प्रकार के सम्मान से नियमित रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ता है तथा समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति सकारात्मक संदेश जाता है।

झारखंड हाईकोर्ट का फैसला

सेवानिवृत्त पारा शिक्षकों को मिलेगी पेंशन, संविदा सेवा भी होगी शामिल

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने पारा शिक्षकों के पेंशन अधिकार से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा है कि नियमित नियुक्ति से पहले संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) पर दी गई सेवा को भी पेंशन के लिए योग्य सेवा माना जाएगा. जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने पांच सेवानिवृत्त इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षकों की याचिका स्वीकार करते हुए राज्य सरकार को उनकी पारा शिक्षक अवधि को जोड़कर पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ देने का निर्देश दिया है. अदालत ने यह पूरी प्रक्रिया आठ सप्ताह के भीतर पूरी करने और सेवानिवृत्ति की तिथि से भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज देने का भी आदेश दिया.

पारा शिक्षक से बने नियमित शिक्षक, लेकिन पेंशन से रहे वंचित : याचिकाकर्ता माणिक चंद्र मंडल, उत्पल कुमार मुखर्जी, अब्दुल हमीद अंसारी, शिव नारायण गुप्ता और मोतीलाल टुडू पहले पारा शिक्षक के रूप में कार्यरत थे. बाद में चयन प्रक्रिया के माध्यम से वे नियमित इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षक नियुक्त हुए. नियमित सेवा में उन्होंने लगभग नौ वर्ष या उससे अधिक समय तक काम किया और वर्ष 2025 में सेवानिवृत्त हुए. हालांकि, नियमित सेवा 10 वर्ष से कुछ महीने या कुछ दिन कम होने के कारण उन्हें पेंशन का लाभ नहीं दिया गया. उनका तर्क था कि पारा शिक्षक के रूप में 8 से 12 वर्ष तक दी गई निरंतर सेवा को भी पेंशन के लिए जोड़ा जाना चाहिए.

राज्य सरकार ने किया विरोध: राज्य सरकार ने अदालत में दलील दी कि पारा शिक्षक के रूप में दी गई सेवा पूरी तरह संविदा आधारित थी, इसलिए उसे पेंशन योग्य सेवा नहीं माना जा सकता. सरकार ने यह भी कहा कि याचिकाकताओं ने नियमित सरकारी सेवा में 10 वर्ष पूरे नहीं किए हैं, इसलिए वे पेंशन के पात्र नहीं हैं ।

वज्रपात से दो सगी बहनों की मौत

दुमका: जिले के काठीकुंड थाना क्षेत्र के बूढ़ीडंगाल गांव में मंगलवार की शाम आसमानी बिजली ने एक परिवार की खुशियां छीन ली. वज्रपात की चपेट में आने से दो सगी बहनों की मौत हो गई, जबकि उनका भाई बेहोश हो गया. घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है. मंगलवार शाम करीब सात बजे बारिश के बीच तेज गर्जन हो रही थी. इसी दौरान शिवलाल मुर्मू के घर के पास अचानक जोरदार आवाज के साथ बिजली गिरी और कुछ पल में ही एक हंसता-खेलता परिवार गम में डूब गया. शिवलाल ने बताया कि वह अपनी पत्नी सोनामुनी बास्की और एक बच्चें के साथ घर के दरवाजे के पास अंदर बैठा था. वहीं 11 वर्षीय मीरू मुर्मू, 6 वर्षीय अनिता मुर्मू और 13 वर्षीय देवीलाल मुर्मू अंदर कमरे में जमीन पर सोये हुए थे. अचानक हुए जोरदार वज्रपात से घर के लोग सहम गए. पास मौजूद शिवलाल की बड़ी मां को बिजली गिरने का तेज झटका महसूस हुआ.

केन्द्रीय सरना समिति ने सिद्धों- कान्हू को किया नमन

मेट्रो रेज

रांची: केन्द्रीय सरना समिति द्वारा केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा की अगुवाई में कांके रोड स्थित शहीद सिद्धों- कान्हू पार्क में अमर शहीद सिद्धों- कान्हू के 171वें हूल दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि झारखंड की धरती सिध्दू-कान्हू चांद भैरव व फूलों- झानो जैसे युवा नेतृत्व कर्ताओं की जन्म भूमि है। संथाल आदिवासी समुदाय से आने वाले इन भाई बहनों ने सामाजिक परंपराओं से एकजुटता की ताकत को पहचान और संघर्ष किया है उनका संघर्ष आज भी नयी पीढ़ी को परिवर्तन के लिए पहल करने की जरूरत है। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, केन्द्रीय सरना समिति के संरक्षक नकुल तिर्की,महासचिव महादेव टोप्पो, सुरेंद्र लिंडा, आशीष मुंडा, शंभू टोप्पो, मुन्ना हेंमरोम, संजय, झारखंड आंदोलनकारी कुमोद कुमार वर्मा व अन्य उपस्थित थे।

अंजुमन अस्पताल में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने की नि:शुल्क सुविधा आज से शुरू

गुलाम शाहिद

रांची: अंजुमन अस्पताल द्वारा 1 जुलाई से 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सीनियर सिटिजन कार्ड बनाने की विशेष सेवा शुरू की जा रही है।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस योजना के तहत पात्र वरिष्ठ नागरिक प्रति वर्ष 5 लाख तक के निःशुल्क उपचार का लाभ सूचीबद्ध अस्पतालों में प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड या आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। केवल आधार कार्ड अनिवार्य है तथा आधार से मोबाइल नंबर लिंक होना आवश्यक है।

अंजुमन अस्पताल ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे अपने घर या आसपास रहने वाले 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों को इस सुविधा की जानकारी दें तथा उनका कार्ड बनवाने में सहयोग करें, ताकि अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिक सरकार की इस स्वास्थ्य योजना का लाभ उठा सकें। अस्पताल के सुपरिटेंडेंट मुस्तकीम आलम ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कार्ड बनाने की सेवा पूरी तरह निःशुल्क होगी। उन्होंने सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों से आधार कार्ड के साथ अंजुमन अस्पताल पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की।

डॉक्टर व चार्टर्ड अकाउंटेंट डे

डॉक्टर - चार्टर्ड अकाउंटेंट दंपत्ति को किया गया सम्मानित

मेट्रो रेज

रांची: श्री राम भरत मिलाप समिति के कार्यालय डोरंडा बाजार में आज डॉक्टरडे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट डे के अवसर पर डॉक्टर और चार्टर्ड अकाउंटेंट दंपत्ति को सम्मानित किया गया। साथ ही प्रत्येक महीना चलने वाले एक्यूप्रेशर नेचुरलथेरेपी कैंप के कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया जो की एक तारीख से 15 तारीख तक प्रत्येक महीना लोगों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रोहित शारदा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज हेल्थ और वेल्थ दोनों के डॉक्टरों का दिन है और दोनों के बिना समाज अधूरा है दोनों की ही आवश्यकता समाज को पड़ती है और यह दिन-रात मेहनत करके अपना योगदान समाज में देते हैं। नेचुरलथेरेपी के अभय बरनवाल , डॉक्टर आनंद बर्मन एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट दंपति मयूर शारदा और खुशबू शारदा को सम्मानित किया गया। नेचुरलथेरेपी के अभय बरनवाल प्रत्येक महीना 1 तारीख से 15 तारीख तक कार्यालय परिसर में अपना योगदान देंगे। इस अवसर पर अभय बरनवाल ने बताया कि उनके द्वारा मेथी दाने ,कलर एवं मैग्नेट से सभी प्रकार के उपचार किए जाते हैं फौज से रिटायरमेंट के बाद वह लोगों की सेवा कर रहे हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट खुशबू शारदा मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण जागृति महिला शाखा की सचिव भी है अपने कार्य के साथ-साथ समाज में भी योगदान दे रही हैं साथ ही चार्टर्ड अकाउंटेंट मयूर शारदा श्री राम भरत मिलाप समिति , श्री शिव मंदिर महावीर मंदिर न्याय समिति में सदस्य के रूप में अपना योगदान देते हुए अपने कार्य को कर रहे हैं दोनों ही दंपति समाज में विशिष्ट योगदान के लिए अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोहित शारदा मंच का संचालन महामंत्री नम्रता सोनी एवं धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम दास ने किया ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री राम भरत मिलाप समिति के संरक्षक बीके विजय,सरदार अशोक सिंह, महेश विजय, प्रिंस पांडे, राजकुमार गुप्ता, रवि गोसाई,श्री शिव मंदिर महावीर मंदिर न्याय समिति के सचिव हरिप्रसाद विजयवर्गीय, महिला जागृति शाखा की पूर्व अध्यक्ष बिना शारदा अनीता अग्रवाल सरोज सुल्तानिया, सिद्धि शारदा मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा के सचिव राघव शारदा, डोरंडा बाजार काली पूजा समिति के राजू चौरसिया, जयदेव घोष टीपी सिंह, कुंदन सिन्हा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

दफ्तरों की कार्य-संस्कृति में सुधार की सकारात्मक पहल

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में प्रशासनिक संवेदनशीलता और समयबद्धता को जनआकांक्षाओं की पूर्ति के दो मुख्य स्तंभ माना जाता है। हाल ही कैबिनेट सचिवालय द्वारा राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के सहयोग से जारी की गई मार्गदर्शिका न केवल देश की प्रशासनिक शिथिलता पर एक गंभीर विमर्श है, बल्कि जन-केंद्रित सुशासन की दिशा में एक साहसिक प्रयास भी है। यह इसलिए भी क्योंकि दशकों से आम नागरिक सरकारी कार्यालयों के गलियारों में 'साहब मीटिंग में हैं' जैसे रूखे और पारंपरिक बहानों से त्रस्त रहा है। ऐसे में बैठकों की अधिकतम समय-सीमा 60 मिनट कर और उन्हें उद्देश्यपूर्ण बनाना शासन व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन की आवश्यकता को स्पष्ट करता है। केबिनेट सचिव की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के तथ्य और आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि केंद्रीय कार्यालयों में रोजाना 20-30 और विभिन्न राज्यों में दर्जनों ऐसी बैठकें होती हैं जो अक्सर दिशाहीन, उबाऊ और अनिर्णायक साबित होती हैं। अवकाश के आगे-पीछे महत्वपूर्ण बैठकें न रखने और जटिल एजेंडे को भोजन के समय से दूर रखने के निर्देश अधिकारियों के मानसिक स्वास्थ्य और कार्यक्षमता दोनों को संतुलित करने का भी प्रयास हैं। जो कार्य ई-मेल, पत्र या फिर दूरभाष से संभव हैं, उनके लिए लंबी बैठकें आयोजित न करने के सुझाव पर अमल हुआ तो समय और सार्वजनिक धन दोनों की बचत तय है। अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस जैसे विकसित राष्ट्रों में 'लीन मैनेजमेंट' और 'स्टैंड-अप मीटिंग्स' की सुदृढ़ परंपराएं रही हैं, जहां समय-प्रबंधन को उत्पादकता की पहली शर्त माना जाता है। भारत जैसे विशाल विविधता वाले देश में भी ऐसे वैश्विक मानकों को अपनाना अब अपरिहार्य हो चुका है। हालांकि, केंद्र सरकार की इस जन-हितैषी पहल की राह में चुनौतियां कम नहीं हैं। सबसे बड़ी चुनौती औपनिवेशिक काल से चली आ रही अफसरशाही मानसिकता और यथास्थितिवाद की है। कनिष्ठ कर्मचारियों को खुलकर अपनी बात रखने का माहौल देना कागजों पर तो सरल है, लेकिन व्यावहारिक धरातल पर इसके लिए अधिकारियों के दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव की आवश्यकता होगी। यदि इस नीति की कड़ाई से मॉनिटरिंग नहीं की गई, तो इसका हश्र भी लोक सेवा गारंटी कानून जैसा ही सुस्त हो सकता है, जहां नियम तो बने परंतु क्रियान्वयन लचर ही है। अब भी समय सीमा में आम लोगों के कार्य होते नहीं दिखते। व्यवस्थागत सुधार केवल आदेशों से नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मानुशासन से आते हैं। इसलिए सरकार को इन निर्दशों की अनुपालना के लिए एक पारदर्शी और डिजिटल ट्रैकिंग मैकेनिज्म भी विकसित करना चाहिए, जहां बैठकों के 'एक्शनेबल पॉइंट्स' और उनके परिणामों की नियमित ऑडिट की व्यवस्था हो। तभी 'गुड गवर्नेंस' का वास्तविक स्वप्न साकार हो सकेगा और सार्थक विमर्श से सरकारी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

बुर्जुगों को मानसिक संबल की ज्यादा जरूरत

पिछले कुछ समय से ऐसी कई घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं कि फ्लैट में अकेली रह रही वृद्ध महिला या वृद्ध पुरुष ने दम तोड़ दिया। लाश कई दिनों तक सड़ती रही। छह-सात दिनों बाद जब बदबू आई तो पड़ोस के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। ऐसी खबर भी सामने आई कि जब विदेश में रह रहे पुत्र को भारत में अकेले रह रहे पिता की मृत्यु की खबर दी गई तो वह भारत आया ही नहीं। संवेदनहीनता की ये शर्मनाक घटनाएं कई सवाल खड़े करती हैं।

एक अनुमान के अनुसार भारत में वृद्ध जनसंख्या (60 वर्ष और उससे अधिक) वर्ष 2011 के 10 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2036 तक दोगुने से भी ज्यादा यानी 23 करोड़ हो जाएगी। उस समय लगभग हर सात में से एक भारतीय 60 वर्ष या उससे अधिक आयु का होगा। औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण संयुक्त परिवार टूटते जा रहे हैं और एकल परिवारों का चलन बढ़ रहा है। इस वजह से बुर्जुगों को पारिवारिक देखभाल नहीं मिल पाती है। मानसिक स्तर पर उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अकेलापन एक बड़ी समस्या के रूप में उभरा है। कई बार बच्चों की बेरुखी बुजुर्गों को जख्म देती हैं तो कई बार उम्र के कारण एक अनजाना डर उनका आत्मविश्वास कम कर देता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि भारत में लगातार वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ती जा रही है। कुछ परिवारों में दो पीढ़ी के बीच के अंतर को सहज रूप से नहीं लिया जाता है। यहीं से असली समस्या शुरू होती है। बच्चे यह नहीं समझ पाते हैं कि बुर्जुगों के विचार अपनी जगह सही हैं। उन्होंने कई तरह के संघर्षों से जूझकर अपना जीवन जिया है। कई मुद्दों पर पुरानी पीढ़ी और नई पीढ़ी के बीच टकराव हो जाता है। कुछ परिवारों में बच्चे इस टकराव को टालकर बुर्जुगों के साथ सामंजस्य बैठा लेते हैं। दूसरी तरफ अनेक परिवारों में बच्चे विचारों के इस अंतर को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर बुर्जुगों को पिछड़ा हुआ घोषित कर देते हैं। ऐसे परिवारों में बच्चे धीरे-धीरे बुर्जुगों के साथ अपनी बातें साझा करना छोड़ देते हैं और उन्हें अलग-थलग छोड़ दिया जाता है। बच्चे यह नहीं सोच पाते हैं कि हमारे बुजुर्ग पिछड़े हुए नहीं है बल्कि अपने अनुभवों को हमारे साथ साझा कर रहे हैं।

यह कहा जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ बुर्जुगों का व्यवहार बच्चों जैसा हो जाता है। बुर्जुगों को यह महसूस होने लगता है कि उनकी उम्र ज्यादा नहीं बची है। इस आभास का उन पर मानसिक दबाव पड़ता है। इसके साथ ही इस उम्र में कई स्वास्थ्यगत समस्याएं भी सामने आने लगती हैं। यही कारण है कि उनका मानसिक स्तर वह नहीं रहता जो युवाओं का रहता है। इसलिए बच्चों को ही बुर्जुगों के साथ किसी न किसी तरह से सामंजस्य बैठाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके विपरीत बच्चे यह अपेक्षा करते हैं कि बुजुर्ग बच्चों के साथ सामंजस्य बैठाएं। बुर्जुगों से यह अपेक्षा करना ही गलत है। इसी अपेक्षा के आधार पर बुर्जुगों से रूखा व्यवहार किया जाता है। अंततः बुजुर्ग अपने परिवार से तंग आकर अलग रहना शुरू कर देते हैं या फिर वृद्धाश्रमों का रुख करते हैं। कई बार बच्चे ही बुर्जुगों को अकेला छोड़कर उनसे अलग रहना शुरू कर देते हैं। दरअसल बुजुर्गों के साथ भावनात्मक स्तर पर जुड़ने की जरूरत होती है लेकिन हम भावनात्मक स्तर पर ही उन्हें जख्म दे देते हैं। कुछ मामलों में बच्चों की परवरिश में भी गलती होती है। माता-पिता नए दौर की प्रतिस्पर्धा के चक्कर में अपने बच्चों को व्यावहारिक नहीं बनाते। उनका सारा ध्यान इस बात पर रहता है कि बच्चे समाज और रिश्तेदारों से दूर रहकर सिर्फ पढ़ते रहें। ऐसे बच्चे अपने कॅरियर में तो सफल हो जाते हैं लेकिन अपनी व्यक्तिगत जिंदगी में असफल हो जाते हैं। उनका सारा ध्यान अपने कॅरियर और अपनी सफलताओं पर ही रहता है। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों से दूर भागने लगते हैं। उन्हें अपने बुर्जुगों की जिम्मेदारी भी बोझ लगने लगने लगती है। भारतीय संस्कृति में परिवार का विशेष महत्व है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कहीं हम अपने बुर्जुगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाकर परिवार नामक संस्था को ही तो ठेस नहीं पहुंचा रहे हैं? बुजुर्गों से बेरुखी नहीं बल्कि उन्हें मानसिक संबल प्रदान करने की जरूरत है।

मिलावट के मकड़जाल में फंसा भारतीय उपभोक्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में कहा था, कि जो भी उत्पाद बनाओ उसकी गुणवत्ता में सुधार लाने का संकल्प लें। इसके विपरीत हमारे देश में जीवन रक्षक दवाइयों के नमूने फेल हो रहे हैं, सब्जियां और फल जहरीले रसायनों से सने हैं, पानी दूषित है, खाने की वस्तुओं में मिलावट का धंधा जोरों पर है जिससे लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

सत्यपाल वशिष्ठ

प्रख्यात लेखक आर्थर कोएस्टलर ने अपनी किताब में भारतीय व्यापारियों के बारे में लिखा था, उनमें से कुछ इतने लालची तथा पत्थर दिल हैं कि खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट करने से जरा भी संकोच नहीं करते। चाय में कीकर की खुश्क पत्तियां, हल्दी में पीला रंग तथा चीनी में मैदा मिलाना उनका नित्य नियम बन गया है। यही कारण है कि बहुत से यूरोपीय, भारत की चाय पर चीन या श्रीलंका की चाय को अधिमान देते हैं। भोजन पृथ्वी पर प्रत्येक प्राणी की मूलभूत आवश्यकता है। भारत में स्वस्थ भोजन का अधिकार सभी का मौलिक अधिकार है। नागरिकों को शुद्ध भोजन उपलब्ध करवाना राज्य तथा केन्द्र सरकार का कर्तव्य है। मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अधिकार नहीं होना चाहिए और इसके परिणाम उसको भुगतने होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में कहा था, कि जो भी उत्पाद बनाओ उसकी गुणवत्ता में सुधार लाने का संकल्प लें। इसके विपरीत हमारे देश में जीवन रक्षक दवाइयों के नमूने फेल हो रहे हैं, सब्जियां और फल जहरीले रसायनों से सने हैं, पानी दूषित है, खाने की वस्तुओं में मिलावट का धंधा जोरों पर है जिससे लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है। हाल ही में समाचार पत्रों में प्रकाशित मिलावट की कुछ घटनाओं का उल्लेख जरूरी है। 22 मई 2026 को हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला और काला अंब में बनी दवाइयों के 31 नमूने केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा चैक करने पर फेल पाए गए हैं।

पहले भी हिमाचल के दवाई उद्योगों में बनी दवाइयां गुणवत्ता पर ठीक नहीं उतरी थीं। यहां की एक कंपनी की बनी कफ सिरप से 12 बच्चों की मौत हो गई थी। देश में अन्य जगहों पर बनने वाली दवाइयां भी गुणवत्ता के चैक पर फेल हो रही हैं। पहले भी भारत के अन्य राज्यों में निर्मित कफ सिरप के सेवन से इंडोनेशिया, गाम्बिया, उज्बेकिस्तान और कैमरून में बहुत से बच्चों की मौतें हो चुकी हैं। 22 मार्च 2026 तक राजमहेंद्रवरम (आंध्र प्रदेश) जिले के कोरुकोंडा मंडल के नरसपुरम गांव में स्थित वरलक्ष्मी मिल्क डेयरी के संदिग्ध रूप से मिलावटी दूध पीने के कारण मरने वालों की संख्या 16 हो गई थी। इस दूध में एथिलीन ग्लाइकोल नामक जहरीला रसायन मिला होने के कारण मौतें हुई थी। यह रसायन कूलेंट के रूप में इस्तेमाल होता है। एक जनवरी 2026 को हैदराबाद में नव वर्ष की पार्टी में एक्सपायर्ड मसालों से बनाया खाना खाने के बाद एक व्यक्ति की मौत और 14 अन्य बीमार हो गए थे। पटियाला (पंजाब) में रेड़ के दौरान पाया कि महंगी शराब की बोतलों में घटिया शराब भरकर बाजार में बेची जा रही थी। देश की कई जगहों से जहरीली शराब पीने से मरने वालों की खबरें तो आती ही रहती हैं। यह उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी है और उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ है। अगर आप किसी भी अस्पताल का दौरा करें तो वहां आपको विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मरीजों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलेंगी। अगर खाद्य पदार्थों में मिलावट इसी तरह चलती रही तो ये कतारें बढ़ती ही रहेंगी। डाक्टर मरीज को स्वस्थ जीवन जीने के लिए फल और सब्जियों के सेवन की सलाह देते हैं, परंतु फल-सब्जियां पैदा करने से लेकर पकने तक जहरीले रसायनों का इस्तेमाल हो रहा है, जो लोगों की सेहत से खिलवाड़ है। कीटनाशकों के अवैज्ञानिक और अंधाधुंध इस्तेमाल से फल और सब्जियों के साथ-साथ भूमिगत जल भी दूषित हो रहा है जिससे लोग कैंसर, लिवर, किडनी की गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। यह गंभीर चिंतन का विषय है। खाद्य पदार्थों में मिलावट आजकल एक गंभीर समस्या बन गई है।

मिलावट का अर्थ है किसी भी ऐसे पदार्थ को मिलाना जिससे खरीददार संतुष्ट न हो या पदार्थ की गुणवत्ता खराब हो जाए। कोई भी वस्तु तभी शुद्ध मानी जाती है जब वह खाद्य सुरक्षा एवं सेवा प्राधिकरण के मानकों के तहत बनाई गई हों। कुछ लोग चंद पैसों की खातिर दूध, पनीर, खोया, अदरक-लहसुन, पेस्ट, मसाले, व्रत के आटे, काली मिर्च, हल्दी, नारियल तेल, शहद तथा मंदिरों में वितरित होने वाले प्रसाद आदि में मिलावट कर लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में फल, अनाज, सब्जी और दूध का उत्पादन बहुत बढ़ा है, परन्तु कीटनाशकों और जहरीले रसायनों के इस्तेमाल से सब्जियों और फलों के अलावा पर्यावरण और पीने का पानी भी दूषित हो रहा है, जिससे लोगों की सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा रहा है। सेबों पर एक ही सीजन में 10-12 बार स्प्रे किया जाता है। हिमाचल प्रदेश में कैंसर से मरने की दर 9.5 प्रतिशत है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर 7.7 प्रतिशत है। हिमाचल में कैंसर केसों की वार्षिक ग्रोथ दर 2.2 प्रतिशत है जबकि राष्ट्रीय दर 0.6 प्रतिशत है। अस्पतालों में डाक्टर एंटीबॉयोटिक्स पर ही जोर दे रहे हैं, जो कि रोगी के लिए लंबे समय के लिए ठीक नहीं हैं। प्रधानमन्त्री ने दिसंबर 2025 को मन की बात में जनता से अपील की थी कि डाक्टर की सलाह के बगैर एंटीबॉयोटिक्स का सेवन न करें। डाक्टर को भी अति आवश्यक हो तो ही एंटीबॉयोटिक्स प्रिस्क्राइब करनी चाहिए क्योंकि रोगाणुरोधी प्रतिरोध भारत की सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनता जा रहा है। परिणामस्वरूप सामान्य संक्रमणों का इलाज भी बहुत ही मुश्किल होता जा रहा है। सरकार को दवाइयों के रेट निर्धारित कर दवाई निमार्ताओं तथा विक्रेताओं का लाभ कम करके उपभोक्ताओं का शोषण रोकना चाहिए।

जेनेरिक दवाइयों की गुणवत्ता को बरकरार रखकर इनके ज्यादा उपयोग पर बल देकर हर अस्पताल में प्रधानमंत्री जनऔषधि केन्द्र खोलकर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करनी चाहिए। पैकेजिंग प्रोडक्ट के लेबलिंग पर वर्णित प्रोडक्ट के घटकों के लिए मजबूत नियामक ढांचा होना चाहिए। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण और राज्य खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण को समय-समय पर आडिट और रैंडम टेस्टिंग कर, उल्लंघन के लिए जुमार्ना करना चाहिए। जिस देश में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बाजार में बहुतायत हो और कानूनों का सख्ती से पालन न हो, उस देश के नागरिक स्वास्थ्य की दृष्टि और आर्थिक तौर पर बहुत कमजोर होंगे, क्योंकि वे अस्पताल और दवाइयों के चक्र में फंसे रहते हैं। इसलिए खाद्य पदार्थों में मिलावट से संबंधित कानूनों और जांच की वैज्ञानिक तकनीकों के बारे में जागरूकता जरूरी है।

सड़क पर पैदल चलना : अब मौलिक अधिकार

सड़क पर चलना कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर व्यक्ति का बुनियादी अधिकार है। यदि भारत को वास्तव में मानव-केंद्रित विकास की दिशा में आगे बढ़ना है, तो पैदल यात्रियों की सुरक्षा तय करनी होगी।

डा. निधि शर्मा

भारत में विकास की पहचान अक्सर चौड़ी सडकों, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे से की जाती है। लेकिन विकास का वास्तविक अर्थ केवल तेज गति से दौड़ते वाहनों की सुविधा नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और गरिमा भी है। दुर्भाग्य से हमारे देश में सडक पर पैदल चलने वाले व्यक्ति को आज भी सबसे कमजोर और उपेक्षित सड़क उपयोगकर्ता माना जाता है। यही कारण है कि सडक दुर्घटनाओं में सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं लोगों को उठाना पड़ता है जिनके पास कोई वाहन नहीं होता। हाल ही में एक अत्यंत दुखद मामले की सुनवाई के दौरान देश के सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। एक पिता अपने पांच वर्षीय पुत्र को स्कूल छोड़ने जा रहा था, तभी एक सड़क दुर्घटना में मासूम बच्चे की जान चली गई। मुआवजे की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि पैदल चलने का अधिकार संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए तथा सडकों पर पैदल यात्रियों के अधिकारों को मोटर वाहनों से ऊपर रखा जाना चाहिए। यह टिप्पणी केवल एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की सडक सुरक्षा व्यवस्था और विकास की सोच पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 (1)-डी में देश के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने का अधिकार है और अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। सर्वोच्च न्यायालय भी समय-समय पर इन अनुच्छेदों की व्यापक व्याख्या करते हुए गरिमामय जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जीवन को भी इसका हिस्सा मान चुका है।

ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या सड़क पर सुरक्षित रूप से चलना भी नागरिक के जीवन के अधिकार का हिस्सा नहीं होना चाहिए? यदि कोई व्यक्ति घर से निकलकर सड़क पार करने में ही अपनी जान गंवा दे, तो उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का दावा कितना सार्थक रह जाता है? भारत में सडक दुर्घटनाएं एक गंभीर सार्वजनिक संकट बन चुकी हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष लाखों सडक दुर्घटनाएं होती हैं और डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है। औसतन प्रति वर्ष 30500 से अधिक पैदल यात्रियों की जान चली जाती है। कुल पैदल यात्रियों में से लगभग 31 प्रतिशत राष्ट्रीय मार्गों पर काल का ग्रास बन जाते हैं। ये आंकड़े पूरे विश्व में सबसे अधिक हैं। इनमें बड़ी संख्या पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और अन्य कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं की होती है। तेज रफ्तार, लापरवाही से वाहन चलाना, शराब पीकर ड्राइविंग करना और सडक सुरक्षा नियमों की अनदेखी इसके प्रमुख कारण हैं। विडंबना यह है कि मोटर वाहन अधिनियम 1988 में वाहनों, चालकों और यातायात नियमों से संबंधित विस्तृत प्रावधान हैं। वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण और दंडात्मक प्रावधानों को विस्तार से परिभाषित किया गया है। लेकिन पैदल यात्रियों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और उनके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को लेकर कोई समग्र कानूनी ढांचा दिखाई नहीं देता। कानून यह तो बताता है कि वाहन कैसे चलाया जाए, लेकिन यह पर्याप्त रूप से सुनिश्चित नहीं करता कि सडक पर चलने वाला व्यक्ति सुरक्षित कैसे रहेगा। देश के अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, और जहां हैं, वहां अतिक्रमण का कब्जा है। कई स्थानों पर जेब्रा क्रॉसिंग केवल सफेद धारियों तक सीमित हैं, जिनका वाहन चालक सम्मान नहीं करते। स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों के आसपास भी पैदल यात्रियों की सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध नहीं मिलते। परिणामस्वरूप सडकें नागरिकों के बजाय वाहनों के लिए अधिक अनुकूल दिखाई देती हैं। अब समय आ गया है कि सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे। जिस प्रकार बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के लिए विशेष कानून बनाए गए हैं, उसी प्रकार पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी एक व्यापक राष्ट्रीय नीति या स्वतंत्र कानून बनाया जाना चाहिए। सडकों के निर्माण और यातायात प्रबंधन में पैदल यात्री प्रथम की अवधारणा को अपनाया जाना चाहिए। सरकार को प्रत्येक सडक परियोजना में सुरक्षित फुटपाथ, जेब्रा क्रॉसिंग, अंडरपास और पैदल पुल अनिवार्य करने चाहिए। स्कूलों और अस्पतालों के आसपास विशेष सुरक्षा क्षेत्र विकसित किए जाने चाहिए। सड़क निर्माण से पहले पैदल यात्री सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही तेज रफ्तार या लापरवाही से वाहन चलाकर पैदल यात्रियों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कठोर दंड सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विकसित देशों ने सड़क को केवल वाहनों के लिए नहीं, बल्कि नागरिकों के लिए साझा सार्वजनिक स्थान माना है। इसलिए वहां पैदल चलना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि एक संरक्षित नागरिक अधिकार के रूप में देखा जाता है। अमेरिका, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों में पैदल चलने वालों को सड़क की उल्टी दिशा में चलने की हिदायत दी जाती है ताकि सामने से आने वाली गाड़ी को देखा जा सके। यद्यपि पैदल यात्रियों के लिए कोई अलग अंतरराष्ट्रीय संधि नहीं है, फिर भी संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन की विभिन्न घोषणाएं सुरक्षित और सुलभ पैदल परिवहन को एक महत्वपूर्ण मानव और शहरी अधिकार के रूप में स्वीकार करती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनाइटेड नेशन द्वारा 2021-2030 को सडक सुरक्षा दशक घोषित किया गया है।

सच्चिदानंद

चिंतन-मनन

भगवान के यों अगणित नाम हैं उनमें से एक नाम है सच्चिदानंद। सत का अर्थ है टिकाऊ अर्थात न बदलने वाला,न समाप्त होने वाला। इस कसौटी पर केवल परब्रह्म ही खरा उतरता है। उसका नियम,अनुशासन, विधान एवं प्रयास सुस्थिर है। सृष्टि के मूल में वही है। परिवर्तनों का सूत्र,संचालक भी वही है। इसलिए परब्रह्म को सत कहा गया है। चित का अर्थ है,चेतना, विचारणा। जानकारी, मान्यता,भावना आदि इसी के अनेकानेक स्वरूप हैं। इस संसार का सबसे बड़ा आकर्षण ,आनंद' है। आनंद जिसमें जिसे प्रतीत होता है वह उसी ओर दौड़ता है। शरीरगत इंद्रियां अपन-अपने लालच दिखाकर मनुष्य को सोचने और करने की प्रेरणा देती हैं। सुविधा- साधन शरीर को सुख प्रदान करते हैं। मानसिक ललक-लिप्सा, तृष्णा और अहंता की पूर्ति के लिए ललचाती रहती हैं। अंतःकरण की उत्कृष्टता वाला पक्ष आत्मा कहलाता है। उसे स्वर्ग, मुक्ति, ईश्वर प्राप्ति, समाधि जैसे आनंदों की अपेक्षा रहती है। वस्तुतः आनंद प्रकारांतर से प्रेम का दूसरा नाम है। अंधेरे में जितने स्थान पर टॉर्च की रोशनी पड़ती है उतना ही प्रकाशवान होता है। प्रेम को ऐसा ही टॉर्च प्रकाश कहना चाहिए, जिसे जहां भी फेंका जाएगा, वहीं सुंदर, प्रिय एवं सुखद लगने लगेगा। वैसे इस संसार में कोई भी पदार्थ या प्राणी अपने मूल रूप में प्रिय या अप्रिय है नहीं। हमारा दृष्टिकोण, मूल्यांकन एवं रु झान ही आनंददायक अथवा अप्रिय, कुरूप बनाता चलता है और दृष्टिकोण के अनुसार ही अनुभूति होती चली जाती है। आनंद ईश्वर की विभूति है। प्रेम को परमेश्वर कहा गया है। प्रिय ही सुख है अर्थात ईश्वर ही आनंद है। उसी के आरोपण से हम सुखानुभूति करते हैं। आत्मा परमात्मा का ही सूक्ष्म अंश माना गया है। आत्मा उसी सच्चिदानंद को निरंतर खोजती रहती है परंतु माया के अवरोध के कारण उसको प्राप्त नहीं कर पाती। जब माया का आवरण हट जाता है तो सच्चिदानंद के स्वरूप का बोध हो जाता है और वह उसी में निमग्न हो जाती है। आत्मा में सच्चिदानंद स्वरूप को प्राप्त करने की अभिलाषा शाश्वत है। उसे प्रेम या भक्तियोग से ही प्राप्त किया जा सकता है। यह लौकिक प्रेम की श्रेणी का नहीं अपितु अध्यात्म श्रेणी का है जिसके द्वारा सच्चिदानंद की प्राप्ति होती है। यह स्पष्ट जानना चाहिए कि परमात्मा के अनेकानेक नाम हैं। उनमें से सच्चिदानंद नाम भी सार्थक है॥

आपके पत्र

अभद्र भाषा का प्रयोग क्यों ?

देश में आम चुनाव का मौसम है। राजनीतिक दल मतदाताओं को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं, लेकिन कुछ राजनेता अभद्र, बेतुकी बयानबाजी भी इस दौरान करते हैं। हाल ही में कंगना रनौत और ममता बनर्जी के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग हुआ, वो मामला सुर्खियों में है। हिमाचल प्रदेश में सुप्रिया श्रीनेत, जो कि कांग्रेस से संबंधित हैं, द्वारा कंगना रनौत पर जो भद्दी टिप्पणी का मामला सामने आया है, उसके लिए सुप्रिया श्रीनेत ने स्पष्ट किया है कि यह टिप्पणी उनके द्वारा नहीं कि गई है। उन्होंने कहा कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट को बहुत से लोग प्रयोग करते हैं। यह टिप्पणी किसी और ने की है, लेकिन सुप्रिया को अपने सोशल साइट्स के अकाउंट को सबके साथ साझा करने की क्या जरूरत थी? दूसरी तरफ ममता पर टिप्पणी भी निंदनीय है।

मनीषा चौधरी,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

बांझी बाजार में निकाली गई भगवान जगन्नाथ स्नान रथ यात्रा

साहिबगंज/बोरियो : प्रखंड के बांझी बाजार में मंगलवार को भगवान जगन्नाथ की स्नान रथ यात्रा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ निकाली गई।स्नान यात्रा दुर्गा मंदिर परिसर से निकलकर पूरे बांझी बाजार भ्रमण कराई गई।इस दौरान पुजारी चंदन प्रभु के द्वारा भगवान जगन्नाथ,भाई बलराम एवं बहन सुभद्रा कि विधिवत पूजन कर रथ को बाजार भ्रमण के लिए प्रस्थान किया गया।रथ यात्रा में महिला,कन्या,पुरुष सहित हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ के जयकारे नारों से तथा ढोल बाजे के साथ पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।मौके पर ग्रामीण सुशील भगत,बासुदेव पंडित, पहलाद भगत,बिष्णु जायसवाल,गौरव पांडेय,संजीत साह,अजय पंडित सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

लकड़ी तस्करों के खिलाफ चला छापामारी अभियान, पांच लाख की लकड़ी जब्त

कटकमसांडी : कटकमसांडी थाना क्षेत्र के शाहपुर में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 ट्रैक्टर साल लकड़ी का बोटा और एक ट्रैक्टर चिरान लकड़ी को जब्त किया । जिसकी कीमत लगभग पांच लाख बताई जा रही है। इस दौरान छापामारी दल ने अवैध रूप से स्थापित हाथ आरा मिल के संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया। बताया जाता है कि हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी मौन प्रकाश को सूचना मिली थी कि कटकमसांडी के शाहपुर गांव के आसपास स्थित वनों से लकड़ियों को काटकर और उसकी चिराई करके बेचा जा रहा है। जिसके बाद वन प्रमंडल पदाधिकारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आईएफएस मोहित कुमार बंसल के नेतृत्व में एक छापामारी टीम गठित करते हुए तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मंगलवार की सुबह आईएफएस मोहित कुमार बंसल ने हजारीबाग प्रक्षेत्र के वनकर्मियों के साथ शाहपुर में सघन छापेमारी अभियान चलाया। जिसमें बड़े पैमाने पर साल सहित अन्य प्रजातियों के बोटा और चिरान जब्त किया।दिन भर चले छापेमारी अभियान में 5 ट्रैक्टर बोटा और एक ट्रैक्टर चिरान को जब्त किया गया। साथ ही अवैध तरीके से स्थापित हाथ आरा मिल के संरचनाओं को भी ध्वस्त किया गया । इस अभियान में शामिल वन विभाग के पदाधिकारियों ने बताया कि इस अपराध में शामिल दो तीन लोगों के विरुद्ध वन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत न्यायालय में मामला दर्ज किया जायेगा। वन विभाग की इस कार्रवाई से लकड़ी के अवैध करोबारियों में हड़कंप मच गया है। छापामारी अभियान में संलग्न पदाधिकारी मोहित कुमार बंसल ,प्रभारी वनपाल सुजीत टोप्पो, प्रधान वनरक्षी संजय कुमार यादव, मनोरंजन कुमार, बिरेंद्र कुमार, नितीश कुमार मेहता सहित क्यूआरटी के अलावा कटकमसांडी थाना के जवान शामिल थे। इधर दो दिन पूर्व अधिकारियों के निदेर्शानुसार और वन क्षेत्र पदाधिकारी सत्येंद्र कुमार चौधरी के गुप्त सूचना के आधार पर हजारीबाग सदर रेंज की टीम गठित कर फॉरेस्टर ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में कटकमदाग प्रखंड के बेंदी सुरक्षित वन से साल का सोंटा लोग कर भागते हुए लकड़ी लदा ओमनी वैन को जब्त किया । छापामारी टीम में सुजीत टोप्पो ,संजय कुमार यादव ,एवं त्वरित प्रतिक्रिया टीम शामिल थी । छापामारी टीम के अधिकारियों ने बताया कि बेंदी सुरक्षित वन से साल बोटा लोड कर भागते हुए ओमनी वैन को जब्त कर वन क्षेत्र कार्यालय परिसर लाया गया। अभियुक्तों के बारे में पता कर उस पर वन वाद दर्ज करवाया जाएगा।

अंडर 17 में भागलपुर के संत टेरेसा स्कूल ने जीत हासिल की

साहिबगंज : शहर के प्रतिष्ठित संत जेवियर स्कूल में चल रहे जोनल क्रिकेट टूनार्मेंट का मंगलवार को फाइनल मुकाबलों के साथ ही समापन हो गया। अंतिम दिन संत जेवियर स्कूल मैदान सहित सिद्धू कानू स्टेडियम में भी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। वहीं फाइनल मुकाबला संत जेवियर स्कूल में हुआ। अंडर-14 में साहिबगंज संत जेवियर स्कूल विजेता जबकि बिहार के कटिहार का डॉन बॉस्को स्कूल उपविजेता रहा। अंडर 17 में भागलपुर के संत टेरेसा स्कूल ने जीत हासिल की। वहीं साहिबगंज संत जेवियर स्कूल उपविजेता रही। अंडर 19 आयु वर्ग में भागलपुर संत जोसेफ स्कूल ने विजेता जबकि साहिबगंज संत जेवियर स्कूल ने उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया।मुख्य अतिथि जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा न विजेता उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया। वहीं उन्होंने संत जेवियर स्कूल के फादर अरुल डोस को शॉल ओढ़ा कर व मोमेंटो देकर प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सम्मानित किया। मौके पर सतीश सिन्हा, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, मो अशफाक आलम, श्याम रंजन तिवारी, अंकित, चंदन, मोहम्मद तारिक, मो अनाउल्लाह, सुधांशु रंजन, अब्राहम, प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा, संत जेवियर स्कूल के शिक्षक आशीष चक्रवर्ती पुण्य गौरव।

भोगनाडीह की धरती से संघर्ष और बलिदान की प्रेरणा मिलती है : यादव

साहिबगंज : हूल दिवस के पावन अवसर पर बरहेट स्थित सिद्धू कान्हु चांद भैरव फूलों झानू की प्रतिमा पर झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।वही केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि वीर शहीद सिद्धू सिद्ध कान्हु फूलों झानू भोगनाडीह की धरती उनके संघर्ष बलिदान नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है,भय भूख और भ्रष्टाचार से लड़ने की प्रेरणा मिलती है।मौके पर केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी,जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सोनिया परवीन,गुरुजी टुडू राकेश महतो,जिया उल हक दुर्योधन शाह,जमुना राय,हामिद अंसारी,मोहम्मद दिलदार,विक्रम हांसदा,धरमल किसकु,सुनाती मुर्मू,शालिनी मुर्मू,तलामयी मुर्मू,सलोनी मुर्मू सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण मौसम के लिहाज से बेहद रोमांचक और चुनौती पूर्ण साबित हो सकते हैं : सचिव

कानूनी अधिकारों के संरक्षण और संवर्द्धन के उद्देश्य से जिले में विशेष कानूनी जागरूकता अभियान चलाया

संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार व प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में मानसिक रूप से अस्वस्थ व बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों के संरक्षण व संवर्द्धन के उद्देश्य से जिले में विशेष कानूनी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत द्वारा व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित लोक अदालत कक्ष में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही लीगल एड डिफेन्स काउंसिल एवं पारा लीगल वॉलंटियर्स- न्याय मित्र द्वारा मूक-बधिर विद्यालय साहिबगंज में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर दिव्यांग बच्चों व उनके अभिभावकों को उनके अधिकारों व उपलब्ध कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। इस संदर्भ में सचिव श्री भगत ने कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण मौसम के लिहाज से बेहद रोमांचक और चुनौती पूर्ण

साबित हो सकते हैं। क्या आखिरकार की मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों को विधिक सेवाएँ योजना 2024 के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। मूक-बधिर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि मानसिक अथवा शारीरिक दिव्यांगता किसी भी व्यक्ति के मौलिक एवं कानूनी अधिकारों को कम नहीं करती। प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने समान अवसर प्राप्त करने न्याय तक पहुँचने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है।उन्होंने आमजनशिक्षकों एवं अभिभावकों से अपील की कि यदि उनके संज्ञान में कोई मानसिक रूप से अस्वस्थ अथवा बौद्धिक दिव्यांग व्यक्ति सहायता का पात्र हो तो इसकी सूचना तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज को दें।ताकि उसे आवश्यक विधिक एवं अन्य सहायता समय पर उपलब्ध कराई जा सके।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को निःशुल्क विधिक सहायता हेतु राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 15100 मानसिक स्वास्थ्य परामर्श की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक छात्र-छात्राएं अभिभावक लीगल एड डिफेन्स काउंसिल है।पारा लीगल वॉलंटियर्स व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हूल क्रांति के अमर सेनानियों को अभाविप ने दी श्रद्धांजलि

युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने का किया आह्वान

संवाददाता

साहिबगंज : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद साहिबगंज नगर द्वारा हूल दिवस के अवसर पर सिद्धो-कान्हू स्टेडियम साहिबगंज में हूल क्रांति के अमर नायक वीर सिद्धो-कान्हू, चाँद-भैरव एवं फूलो-झानो की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभाविप साहिबगंज नगर मंत्री चंदन कुमार ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से अभाविप की प्रदेश छात्रा सह प्रमुख सुश्री निधि सिंह एवं प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इन्द्रजीत साह उपस्थित रहे। इस संदर्भ में नगर मंत्री श्री चंदन कुमार ने कहा कि हूल क्रांति भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रथम संगठित जनआंदोलनों में से एक था।जिसने अंग्रेजी हुकूमत की नींव को चुनौती दी। वीर सिद्धो-कान्हू, चाँद-भैरव एवं फूलो-झानो का त्याग साहस और राष्ट्रभक्ति आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना ही इन महान क्रांतिकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक श्री इन्द्रजीत साह ने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि अपने गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय स्वाभिमान को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि अभाविप निरंतर युवाओं के बीच राष्ट्रभक्ति सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय चेतना के मूल्यों को मजबूत करने का कार्य कर रही है तथा हूल क्रांति के अमर सेनानियों के विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।प्रदेश छात्रा प्रमुख सुश्री निधि सिंह ने कहा कि सिद्धो-कान्हू एवं उनके साथियों का बलिदान हमें अन्याय के विरुद्ध संगठित होकर संघर्ष करने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने इतिहास और महापुरुषों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।कार्यक्रम में जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, देवोत्तम कुमार, अमृत राज, पूर्णब कुमार, दीपिका कुमारी, अविनाश कुमार सहित अभाविप के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जैप-9 साहिबगंज में विदाई समारोह

तीन अधिकारियों को दी गई सम्मान जनक विदाई

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड सशस्त्र पुलिस जैप 9 साहिबगंज में मंगलवार को समादेष्टा रेशमा रिमिशन की अध्यक्षता में विदाई समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक सुमन कुमार सवैया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए,जबकि संचालन झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने किया।इस अवसर पर निरीक्षक सशस्त्र प्रभु प्रसाद,अवर निरीक्षक सशस्त्र भगवान मांझी एवं अवर निरीक्षक सशस्त्र नसरुद्दीन को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मौके पर सत्येंद्र पासवान, भरत यादव, संजय यादव, अमित पासवान, धनंजय सिंह, मुन्ना सिंह, कबीर खान, पवन शाह, पंकज ठाकुर, सुबोध ठाकुर, धर्मेंद्र कुमार रजक, रविंद्र विद्या, झारखंड पुलिस एसोसिएशन, पुलिस मेंस एसोसिएशन, चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों सहित वाहिनी के अधिकारी, पुलिसकर्मी व कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है : चतुरानंद

संवाददाता

साहिबगंज : हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय के नेतृत्व में कार्यकताओं ने सिद्धो-कानू स्टेडियम स्थित सिद्धो-कानू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।इस दौरान कार्यकर्ताओं ने संताल हूल के महानायक सिद्धो-कानू के संघर्ष बलिदान और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए किए गए ऐतिहासिक योगदान को याद किया।कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय ने कहा कि सिद्धो-कानू ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आदिवासियों को संगठित कर अन्याय और शोषण के विरुद्ध ऐतिहासिक आंदोलन का नेतृत्व किया था।उनका बलिदान आज भी समाज को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।उन्होंने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं,बल्कि जल,जंगल और जमीन की रक्षा तथा सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा का दिन है।सिद्धो-कानू और उनके साथियों द्वारा शुरू किया गया आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।उनके साहस और त्याग को कभी भुलाया नहीं जा सकता।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकताओं ने सिद्धो-कानू के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने तथा उनके विचारों के अनुरूप समाज के विकास और एकता के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।मौके पर आजसू पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।सभी ने हूल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महान स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और उनके योगदान को याद किया।मौके पर जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय, जिला सचिव विभाग कुमार शाह,नगर अध्यक्ष गोविंद कुमार पासवान,नगर सचिव मंगल सिंह यादव,परमेश कुमार सिन्हा,विनोद कुमार सिन्हा,सोनू कुमार मिश्रा,राजेश राय,साहेबगंज प्रखंड अध्यक्ष शशिकांत दूबे,नारायण सिंह,विवेक कुमार ठाकुर,दीपक पासवान,सनी गोड़,स्टूडेंट यूनियन से अंकेश कुमार यादव,कमलेश कुमार सिन्हा,पप्पू रजक,यशवर्धन पांडे,टिंकू कुमार सहित मौजूद थे।

शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो अमर रहें : चंदन सिंह

संवाददाता

साहिबगंज : पूरे झारखंड में हूल दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।इसी कड़ी में साहिबगंज में झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन जेजेए जिला इकाई की ओर से अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू,चाँद-भैरव और वीरांगना फूलो-झानो सहित हूल क्रांति के सभी महानायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।संगठन के जिला अध्यक्ष चंदन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों ने सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके अद्वितीय साहस संघर्ष और बलिदान को नमन किया।इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि 30 जून 1855 को शुरू हुई हूल क्रांति केवल एक विद्रोह नहीं थी बल्कि अंग्रेजी हुकूमत जमींदारों और साहूकारों के शोषण के खिलाफ आदिवासी समाज के स्वाभिमान और अधिकारों की ऐतिहासिक लड़ाई थी।इस अवसर पर सभी ने हूल क्रांति के अमर शहीदों के बताए मार्ग पर चलने उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने व समाज और लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया।हूल जोहार अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू,चाँद-भैरव और वीरांगना फूलो-झानो अमर रहें।कार्यक्रम में संगठन के महासचिव रब नवाज आलम,कोषाध्यक्ष अमित सिंह, प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर,डिजिटल मीडिया प्रदेश प्रभारी प्रवीण कुमार, सदर प्रखंड सचिव अरविंद कुमार यादव,वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र पाठक,विकास कुमार शर्मा,नवीन कुमार,प्रशांत कुमार,मनीष कुमार शर्मा,सुमन झा,सहेन्द्र कुमार,जिला उपाध्यक्ष अफसर अली सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं संगठन के सदस्य मौजूद रहे।

जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सभी सुविधाएं बंदियों को उपलब्ध कराई जाएं : अखिल

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार ने मंडल कारा साहिबगंज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का दौरा कर बंदियों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।निरीक्षण के दौरान अखिल कुमार ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य इलाज पेयजल भोजन की व्यवस्था व मुकदमों में पैरवी के लिए अधिवक्ता की उपलब्धता से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जिन बंदियों के वाद में जमानत या अपील दायर नहीं की गई है अथवा जो आर्थिक रूप से अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं हैं। उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता की सेवा प्रदान कर उचित कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने जेल परिसर विशेषकर शौचालयों की साफ-सफाई को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। बीमार बंदियों के लिए बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कारा कर्मियों को विशेष दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए।प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश ने महिला बैरक का भी निरीक्षण किया। महिला बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। जबकि निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकालय

रसोईघरभोजन की गुणवत्ता एवं जेल में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सभी सुविधाएं बंदियों को उपलब्ध कराई जाएं तथा इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए।इस संबंध में श्री अखिल कुमार ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा आप सभी किसी न किसी अपराध के आरोप में जेल में हैं लेकिन यह आपके जीवन का अंत नहीं है। आत्मचिंतन करें।अपने जीवन में सुधार लाएं और समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में लौटें। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों को मानसिक एवं नैतिक सुधार की दिशा में प्रेरित किया जाए और समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रमों का होना जरूरी जिससे वे पुनः समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अरविंद गोयल व उनकी टीम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

लगान के 25 साल: आमिर खान प्रोडक्शंस की आइकॉनिक फिल्म को मिला बड़ा सम्मान

लगान जैसी ऐतिहासिक फिल्म से शुरूआत करने के बाद से लेकर बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने तक, आमिर खान प्रोडक्शंस ने कहानियों की एक ऐसी विरासत बनाई है जिसने भारतीय सिनेमा में हमेशा कामयाबी के नए मायने तय किए हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस ने इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं, जिसकी शुरूआत 25 साल पहले फिल्म लगान से हुई थी। इन्होंने हमेशा से ऐसी अर्थपूर्ण कहानियों और यादगार फिल्मों का साथ दिया है जो समय के साथ और मजबूत होती गईं और भारतीय सिनेमा में अपनी एक बेहद खास और बड़ी विरासत बनाई। आशुतोष गोवारिकर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने हाल ही में अपनी रिलीज के 25 साल पूरे किए हैं। लगान सिर्फ एक ब्लॉकबस्टर फिल्म नहीं थी, बल्कि अपनी बेहतरीन कहानी, दमदार एक्टिंग और देशभक्ति व एकजुटता की इंस्पायरिंग भावना के कारण यह हमारे देश का एक कल्चरल लैंडमार्क बन गई।

फिल्म की इस शानदार कामयाबी का जश्न अभी भी जारी है और इसी बीच आमिर खान प्रोडक्शंस को एक बहुत बड़ा और प्रतिष्ठित सम्मान मिला है। इंडिया पोस्ट (भारतीय डाक विभाग) ने लगान के 25 साल पूरे होने के मौके पर एक स्पेशल मेमोरियल लिफाफा और एक स्पेशल कैंसिलेशन जारी करके फिल्म को सम्मानित किया है। यह सम्मान भारतीय सिनेमा में लगान के कभी न मिटने वाले प्रभाव और इसके बड़े योगदान को सलाम करता है।

लगान भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा और ऐतिहासिक फिल्मों में से एक है। इसे कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में दिखाया गया, जहां इसे समीक्षकों की खूब तारीफ मिली। इसके साथ ही, यह फिल्म ऑस्कर के लिए नॉमिनेट होने वाली तीसरी और अब तक की आखिरी भारतीय फिल्म बनी। भारत में भी इस फिल्म ने जबरदस्त सफलता हासिल की और 49वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में बेस्ट पॉपुलर फिल्म प्रोवाइडिंग होलसम एंटरटेनमेंट सहित कुल आठ पुरस्कार जीतकर भारतीय सिनेमा में एक मील के पत्थर के रूप में अपनी जगह पक्की की।

इस फिल्म में आमिर खान, ग्रेसी सिंह, रेचल शेली, पॉल ब्लैकथॉर्न, सुहासिनी मुले, कुलभूषण खरबंदा, राजेंद्र गुप्ता, रघुवीर यादव, आदित्य लाखिया, यशपाल शर्मा और अमीन हाजी जैसे कई बेहतरीन कलाकारों की एक शानदार स्टारकास्ट शामिल थी। इसके अलावा, एआर. रहमान द्वारा कंपोज किए गए इसके कभी न भूलने वाले साउंडट्रैक ने दर्शकों को घनन घनन, मितवा , राधा कैसे ना जले और ओ रे छोरी जैसे सदाबहार गाने दिए जो हमेशा के लिए यादगार बन गए।

वेलकम टू द जंगल के लिए अक्षय कुमार ने नहीं लिया फीस

निर्देशक अहमद खान की फिल्म वेलकम टू द जंगल अपने भव्य बजट, बड़ी स्टार कास्ट और अक्षय कुमार के अनोखे पारिश्रमिक मॉडल को लेकर चर्चा में है। ट्रेड अनुमानों के अनुसार फिल्म का कुल बजट करीब 125 करोड़ रुपए है। फिल्म के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा शूटिंग पर खर्च किया गया। अकेले प्रोडक्शन कॉस्ट लगभग 60 करोड़ रुपए रही। विशाल स्टार कास्ट और एक्शन सीक्वेंस को देखते हुए यह बजट भव्यता और संतुलित खर्च का उदाहरण माना जा रहा है। फिल्म की सबसे खास बात यह है कि अक्षय कुमार ने इस बार अपनी अभिनय फीस नहीं ली। इसके बजाय उन्होंने निमार्ता के साथ मुनाफे में हिस्सेदारी (प्रॉफिट-शेयरिंग) के आधार पर काम करने का फैसला किया। इस व्यवस्था के तहत निमार्ता अपनी लागत निकालने के बाद जो मुनाफा कमाएंगे, उसमें से अक्षय कुमार को उनका हिस्सा मिलेगा।

फिल्म की पूरी स्टार कास्ट पर लगभग 35 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जो इतनी बड़ी कलाकारों की टीम वाली फिल्म के हिसाब से अपेक्षाकृत कम माना जा रहा है। इसकी प्रमुख वजह अक्षय कुमार द्वारा अपनी फीस छोड़ना रही। निर्देशक और तकनीकी टीम की फीस पर लगभग 15 करोड़ रुपए तथा प्रिंट और प्रचार-प्रसार पर भी करीब 15 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इस तरह फिल्म की कुल निर्माण लागत 125 करोड़ रुपए तक पहुंची। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह, उर्वशी रौतेला, हेमंत पांडे, बृजेंद्र काला, फिरोज खान (अर्जुन), स्वर्गीय पंकज धीर, पुनीत इस्सर, सुदेश बेरी, जीतू वर्मा, वृहि कोडवारा, आदित्य सिंह और भाग्य भानुशाली प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वेलकम टू द जंगल को एए नाडियाडवाला, केप ऑफ गुड फिल्म्स और स्टार स्टूडियोज ने सीता फिल्म्स तथा राकेश डांग के सहयोग से प्रस्तुत किया है। यह बेस इंडस्ट्रीज ग्रुप का निर्माण है। फिल्म के निमार्ता राकेश डांग, वेदांत विकास बाली और फिरोज ए. नाडियाडवाला हैं।

इक्का का दमदार ट्रेलर रिलीज, कोर्टरूम में आमने-सामने दिखेंगे सनी देओल और अक्षय खन्ना

सनी देओल और अक्षय खन्ना पहली बार नेटफ्लिक्स की फिल्म ह्यइक्काह्न में साथ नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें कोर्टरूम ड्रामा, पारिवारिक रिश्तों और न्याय की लड़ाई की झलक देखने को मिलती है। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 10 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। ट्रेलर में सनी देओल एक सिद्धांतवादी वकील अर्जुन मेहरा के किरदार में दिखाई देते हैं, जो कहते हैं, हम कोर्ट में जीतने के लिए नहीं, हक के लिए लड़ते हैं। लेकिन जब उन्हें हाई-प्रोफाइल हत्या के प्रयास के मामले में शौर्यमान गौर (अक्षय खन्ना) का बचाव करना पड़ता है, तो उनके सिद्धांत और निजी जिंदगी दोनों कठिन परीक्षा से गुजरते हैं।

कोर्टरूम ड्रामा के साथ रिश्तों और भावनाओं की भी होगी परीक्षा: फिल्म में टिलोत्तमा शोम पब्लिक प्रॉसिक्यूटर मधुरा बनर्जी की भूमिका निभा रही हैं, जो न्याय के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। वहीं दिया मिर्जा, अर्जुन मेहरा की पत्नी अवंतिका के किरदार में हैं, जो परिवार को बिखरने से बचाने की कोशिश करती हैं। ट्रेलर में कोर्टरूम की तीखी बहसों, भावनात्मक टकराव और बदलती वफादारियों की झलक दिखाई गई है, जिससे साफ है कि फिल्म केवल कानूनी लड़ाई नहीं बल्कि रिश्तों, नैतिकता और कठिन फैसलों की कहानी भी है।

सनी देओल, दिया मिर्जा और टिलोत्तमा शोम ने साझा किया अनुभव: सनी देओल ने कहा कि इक्का सिर्फ कोर्टरूम ड्रामा नहीं, बल्कि परिवार, रिश्तों और जिंदगी के कठिन फैसलों की कहानी है। उन्होंने बताया कि अर्जुन मेहरा का दर्द, गुस्सा, खामोशी और न्याय के लिए उसका संघर्ष ही उन्हें इस किरदार की ओर खींच लाया। साथ ही उन्होंने कहा कि यह उनकी पहली डायरेक्ट-टू-स्ट्रीमिंग फिल्म है और उन्हें खुशी है कि नेटफ्लिक्स के जरिए दुनिया भर के दर्शक इसे देख सकेंगे। दिया मिर्जा ने अपनी भूमिका को मजबूत और संवेदनशील बताया, जबकि टिलोत्तमा शोम ने कहा कि मधुरा बनर्जी का ईमानदार और अडिग व्यक्तित्व उन्हें बेहद आकर्षित करता है और यह फिल्म हर किरदार को कठिन परिस्थितियों में परखती है।

अक्षय खन्ना ने भेजा खास संदेश, 10 जुलाई को होगी ऑनस्क्रीन टक्कर: ट्रेलर लॉन्च में शामिल न हो पाने वाले अक्षय खन्ना ने मीडिया और प्रशंसकों के लिए एक खास वॉयस मैसेज भेजा। उन्होंने कहा, ह्लकुछ मुलाकातें स्टेज पर नहीं हो सकतीं। अगर हो गईं, तो जलजला आ सकता है। इसलिए इक्का और मैं अब सिर्फ नेटफ्लिक्स की स्क्रीन पर मिलेंगे, 10 जुलाई को। तैयार रहना। अल्केमी फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में सनी देओल, अक्षय खन्ना, टिलोत्तमा शोम और दिया मिर्जा के अलावा संजीदा शेख, शिशिर शर्मा और आकांक्षा रंजन कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 10 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

शिमरी बॉडीकॉन ड्रेस में अनन्या पांडेय का ग्लैमरस अवतार, कर्वी फिगर देख दीवाने हुई फैंस

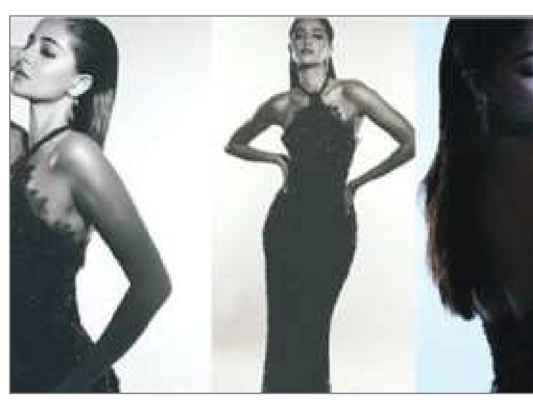

बॉलीवुड की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक अनन्या पांडे हमेशा से ही अपने फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। आए दिन उनका ग्लैमरस लुक चर्चा का विषय बना रहता है। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है, जहां वह अक्सर अपनी स्टाइलिश तस्वीरें और वीडियोज साझा करती रहती हैं। हाल ही

अनन्या ने अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गईं। इन लेटेस्ट फोटोज में उनका बेहद स्टनिंग और फैशनेबल अंदाज नजर आ रहा है, जिस पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर अनन्या पांडे ने शेयर की तस्वीरें: हाल ही में अनन्या पांडे ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिन्हें फैंस की तरफ से भरपूर प्यार मिल रहा है।

इन तस्वीरों में अनन्या पांडे ने शिमरी बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है। उनका ये लुक काफी सुन्दर और सेक्सी लग रहा है।

एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान अनन्या पांडे ने अपना यह लुक रखा और सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। फैशन के मामले में वो कभी भी अपने फैंस को निराश नहीं करती हैं। इसी के साथ उन्होंने हर एक तस्वीर में बहुत ही बेहतरीन पोज दिए हुए हैं। हर तरफ बस उन्ही की चर्चा हो रही है। अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और टाइम तो टाइम अपने फैंस को अपने जीवन की अपडेट देती रहती हैं। इसी के साथ यदि उनका मेकअप देखा जाए तो न्यूड मेकअप केसाथ उन्होंने सॉफ्टी स्मोकी आईज को ज्यादा तर्जी दी।

अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए उन्होंने सिंपल और क्लासी इयररिंग्स पहने हुए थे।

स्टैंडआउट परफॉर्मेंस ऑफ द ईयर का मिला अवॉर्ड: फोटोज शेयर करने के साथ उन्होंने कैप्शन में बताया कि उन्हें इस इवेंट के दौरान फिल्म केसरी चैप्टर 2 के लिए 'स्टैंडआउट परफॉर्मेंस ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड मिला।

डीजे बने अर्जुन रामपाल, साझा की ड्रोन शो की झलक

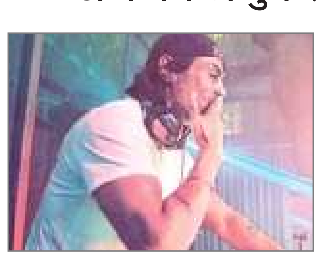

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल ने मॉरीशस यात्रा के दौरान डीजे कंसोल संभालते हुए अपने संगीत प्रेम का परिचय दिया। अर्जुन रामपाल ने इस खास मौके का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें वह दर्शकों के लिए संगीत प्रस्तुत करते नजर आए। वीडियो में एक भव्य ड्रोन शो भी दिखाया गया है। अर्जुन ने पोस्ट में लिखा कि मॉरीशस, आपने कल रात कमाल कर दिया। शानदार ऊर्जा और खूबसूरत ड्रोन शो के लिए धन्यवाद। यह मेरे लिए यादगार अनुभव रहा। अर्जुन रामपाल का डीजे के रूप में प्रदर्शन कोई नया अनुभव नहीं है। वर्ष 2012 में उन्होंने दूसरे फॉमूर्ला वन इंडियन ग्रां प्री की आधिकारिक आफ्टर पार्टी में पहली बार डीजे के रूप में प्रस्तुति दी थी। उस कार्यक्रम में उन्होंने ब्रिटिश इलेक्ट्रॉनिक संगीत निमार्ता गैरेथ एमरी के साथ भी मंच साझा किया था। हाल ही में अर्जुन अमेरिका और कनाडा के 10 शहरों में आयोजित दि रैम्पेज टूर पूरा कर लौटे हैं, जहां उन्होंने बॉलीवुड, टेक्नो, हाउस और ग्लोबल क्लब म्यूजिक का मिश्रण पेश किया। अर्जुन हाल ही में धुरंधर और धुरंधर: दि रिवेंज में आईएसआई मेजर इकबाल की भूमिका में नजर आए।

आखिरी पलों में मार्टिनेली बने ब्राजील के हीरो, जापान का बोरिया-बिस्तर बांध टीम को प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया

एजेंसी/ ह्यूस्टन: पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने गैब्रियल मार्टिनेली के इंजरी समय के पांचवें मिनट में दागे गए निर्णायक गोल की मदद से जापान को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप के राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया। जापान ने मुकाबले के पहले हाफ में दमदार खेल दिखाया और ब्राजील पर एक गोल की बढ़त बनाए रखी। मैच के 29वें मिनट में काइशू सानो ने बॉक्स के बाहर से शानदार प्रयास पर गोल करके जापान को 1-0 की बढ़त दिला दी। काइशू सानो ने डैनिलो से मिले खराब पास को मध्य रेखा के निकट संभाला, तेजी से गोल की तरफ बढ़े और बॉक्स के किनारे से नीचे बाएं कोने में एक लो शॉट मारा। दूसरे हाफ में ब्राजील ने बेहतरीन वापसी की और जोरदार हमलों से जापान के डिफेंस को हतप्रभ कर दिया।

दूसरे हाफ में वापसी करते हुए ब्राजील के स्टार मिडफील्डर कैसिमिरो ने 56वें मिनट में गैब्रियल मैगलहेस के क्रॉस पर हैडर से गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके तुरंत बाद विनीसियस जूनियर का तेड्डा रन जापान के गोलकीपर ड्रायन सुझुकी द्वारा शॉट को पोस्ट पर धकेलने से खत्म हो गया। निर्णायक गोल मैच के अंतिम क्षणों में आया। मैच के अंतिम क्षणों (90 प्लस 5 मिनट) में गैब्रियल मार्टिनेली ने विजयी गोल दागकर ब्राजील को 2-1 से शानदार जीत दिला दी।

पैराग्वे ने चार बार की चैंपियन जर्मनी को किया बाहर : मैसाचुसेट्स: पराग्वे ने विश्वकप का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए चार की बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में हुए पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। फॉक्सबोरो में खेले गए मुकाबले में पराग्वे के शानदार प्रदर्शन के कारण जर्मनी विश्वकप के राउंड ऑफ-32 में बाहर होने वाली पहली दिग्गज टीम बनी। इस मुकाबले का फैसला निर्धारित समय में 1-1 से ड्रॉ के बाद पेनल्टी शूटआउट हुआ। 34वें नंबर पर काबिज पराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से जीत दर्ज की। जर्मनी को काई हावर्ट्ज, निक वोल्टेमाडे और जोनाथन टाह के महत्वपूर्ण पेनल्टी मिस करने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: मोरक्को ने तोड़ी नीदरलैंड की चुनौती

पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर कटाया राउंड ऑफ-16 का टिकट

एजेंसी/ मॉन्टेरी (मेक्सिको): मोरक्को ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 के रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को निर्धारित समय में 1-1 से बराबर रहने के बाद हुए पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हार दिया। इसके साथ ही मोरक्को ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मॉन्टेरी स्टेडियम में मंगलवार को खेला गया यह मुकाबला निर्धारित 90 मिनट और 30 मिनट के अतिरिक्त समय तक बेहद रोमांचक रहा। मैच का पहला हॉफ में कई मौकों के बावजूद दोनों टीमों गोल करने में विफल रही। नीदरलैंड ने मैच को नियंत्रित करने का प्रयास किया, जबकि मोरक्को ने जवाबी हमले किए।

नीदरलैंड के कोडी गाकपो के पास पर क्रिस्टेंसियो समरविले ने 75वें मिटन में गोलकर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद इंजरी समय (90+1) मिनट में मोरक्को के चेम्सडीन ताल्बी के क्रॉस पर डिफेंडर इसा डिओप ने शानदार गोल दागकर स्कोर 1-1 बराबर कर दिया। फिर पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को ने तीन तथा नीदरलैंड की ओर से दो गोल हुए।

आयरलैंड से पिटने के बाद अब अंग्रेजों से भिड़ेगा भारत, इंग्लैंड के खिलाफ पहला टी-20 मैच आज

एजेंसी/ डरहम: आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज में शर्मनाक हार के बाद अब भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। बुधवार को सीरीज का पहला मैच इंग्लैंड के चेस्टर-ली-स्ट्रीट में खेला जाएगा। आयरिश टीम द्वारा दिए गए घावों पर इंग्लैंड के खिलाफ भारत जीत का मरहम लगाना चाहेगा। कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए भी शुरूआत अच्छी नहीं रही और वे भी अंग्रेजों को हराकर खुद को साबित करना चाहेंगे। अय्यर आयरलैंड के दौरे पर बल्ले से भी फ्लॉप रहे और उसकी भरपाई वह अंग्रेजों के खिलाफ करना चाहेंगे। बता दें कि बुधवार ये भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है। आयरलैंड के खिलाफ मैच में भारत ने वैभव सूर्यवंशी को मौका नहीं दिया था।

हालांकि सुनील गावस्कर जैसे महान बल्लेबाज का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले ही मैच में 15 साल के इस किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलनी चाहिए। गौरतलब है कि इंग्लैंड का भी हालिया प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्हें अपने घर पर हार का सामना करना पड़ा। भले ही ये रेड बॉल सीरीज थी, लेकिन टीम इंग्लैंड अपने घर पर सीरीज खेल रही थी। ऐसे में टीम इंडिया के पास भी मौका है कि वे जीत हासिल करें और आयरलैंड के खिलाफ मिली हार को कुछ हद तक भुलाने की कोशिश करें।

भारत– श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि विश्नोई, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड– हैरी ब्रूक (कप्तान), विल जैक्स, जैकब बेथेल, जेम्स कोल्स, फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), जोस बटलर, जॉर्डन कॉक्स, टॉम बैंटन, सैम करन, लियान डॉसन, रेहान अहमद, ल्यूक वुड, आदिल रशीद, सन्नी बेकर, जोश टंग, साकिब महमूद, जोफ्रा आर्चर।

घरेलू धरती पर मेजबान टीम का पलड़ा भारी: भारत और इंग्लैंड के बीच अभी तक 30 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं और इसमें से 18 भारतीय टीम ने जीते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इंग्लैंड में नौ टी-20 इंटरनेशनल मैच हुए हैं, जिनमें से भारत ने चार और इंग्लैंड ने पांच मैच जीते हैं यानी अपनी घरेलू धरती पर मेजबान टीम का पलड़ा भारी है। भारत के खिलाफ 2026 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में मिली हार के बाद से इंग्लैंड ने कोई टी-20 मुकाबला नहीं खेला है।

न्यूज ब्रीफ

मंडी में मानसून एक्टिव, 28 सडकें बंद, 30 जून की रात फिर बरसी आफत, ब्यास का जल स्तर बढ़ा

मंडीः जिला में मानसून एक्टिव होते ही 28 सड़कें बंद हो गई हैं। जिला में बारिश का कहर बरपा है। तीस जून और पहली जुलाई की दरम्यानी रात को हुई बारिश के चलते थलौट, सराज और गोहर उपमंडल में जन जीवन प्रभावित हुआ है। मंडी में मेघों ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया है और 140 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई है। ब्यास नदी का जलस्तर सहित पंडोह डैम पानी से लबालब हो गया है। पंडोह डैम में जल सतर 2922 फुट के करीब पंहुच गया है, जो खतरे के निशान से बीस फुट कम है।

जिला आपातकालीन संचालन केंद्र मंडी द्वारा जारी आधिकारिक स्थिति रिपोर्ट के अनुसार भारी बारिश के कारण जिला में सार्वजनिक सुविधाओं पर व्यापक असर पड़ा है। मंडी जिला में मानसून की भारी बारिश जारी है। बारिश का थलौट, गोहर और सराज क्षेत्रों में सबसे अधिक प्रभाव देखा गया। 30 जून से एक जुलाई की दरम्यानी रात को हुई बारिस से 28 सडकें अवरुद्ध हो गई हैं। इनमें थलौट 17, गोहर 02, सराज की 09 सडकें यातायात के लिए बंद हो गई हैं। इस बारिश से 198 डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर प्रभावित हो चुके हैं। गोहर, सुंदरनगर, धर्मपुर, जोगिंद्रनगर और थलौट के कुछ क्षेत्रों में बिजली बंद हो गई है। भारी बारिश और अपस्ट्रीम क्षेत्रों से पानी के बहाव के कारण व्यास नदी का जल स्तर पहले के मुकाबले काफी बढ गया है।कल की तुलना में काफी बढ़ा हुआ है। पंडोह डैम क्षेत्र में जल स्तर बढ़ने के कारण बीबीएमबी द्वारा नियंत्रित तरीके से अतिरिक्त पानी छोड़ा जा रहा है। सामान्य परिस्थितियों में डैम से 2000 से 4000 क्यूसिक पानी छोडा जा रहा है। प्रशासन ने मंडी, कांगड़ा और हमीरपुर जिलों के नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और नदी से दूर रहने की सलाह दी है।

नदी- नालों से दूर रहें लोगः मंडी प्रशासन स्थिति की निरंतर निगरानी कर रहा है। मौसम विभाग ने दो जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मंडी एडीएम मदन कुमार ने बताया कि बारिश जारी है और लोग अलर्ट रहें तथा नदी नालों से देरी बनाखर रखें।

अमेरिका- ईरान वार्ताः दोहा में आमने-सामने नहीं मध्यस्थों के जरिए होगी बातचीत

एजेंसी/ वाशिंगटन/तेहरानः अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून को हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) को लागू करने की कोशिशों के बीच दोनों देशों की टीमें कतर की राजधानी दोहा पहुंच रही हैं। हालांकि ईरान ने साफ कर दिया है कि उनका डेलिगेशन अमेरिका से सीधी बातचीत नहीं करेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि उनका मकसद अभी विदेशों में फंसी फ्रीज्ड फंड जारी कराना है। जब तक इस दिशा में कोई काम नहीं होगा, तब तक वह शांति समझौते पर आगे बातचीत नहीं होगी। वहीं अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी दोहा पहुंच चुके हैं।

अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडल आमने-सामने नहीं बैठेंगे, बल्कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत मध्यस्थों के जरिए होगी। 17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच एक अंतरिम समझौता हुआ था। इसके तहत ईरान अपने एनरिच्ड यूरेनियम के स्टॉक को कम करेगा। बदले में अमेरिका ईरानी तेल निर्यात पर कुछ प्रतिबंधों में राहत देगा, होर्मुज में जहाजों की आवाजाही सामान्य करने की कोशिश करेगा और दोनों देशों को अंतिम समझौते के लिए 60 दिन का समय मिलेगा।

आंगनवाड़ी से घर लौट रहे 7 वर्षीय मासूम को स्कॉर्पियो ने कुचला, मौके पर मौत, मचा कोहराम

मधेपुराः: बिहार के मधेपुरा जिले के उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह स्कॉर्पियो की चपेट में आने से सात वर्षीय बालक की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना लक्ष्मीपुर जमुनिया वार्ड संख्या-22 के पास की है। मृतक की पहचान नुनुलाल मालाकार के सात वर्षीय पुत्र विवेक कुमार के रूप में की गई है। विवेक कुमार आंगनवाड़ी केंद्र से पढ़ाई कर घर लौट रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। सूत्रों ने बताया कि घटना से आक्रोशित लोगों ने शव को सड़क पर रखकर राष्ट्रीय राजमार्ग-106 को जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मधेपुरा भेज दिया। पुलिस फरार चालक और वाहन की तलाश कर रही है।

अमेरिका-भारत के रिश्ते 30 साल में सबसे खराब, ट्रंप पर भड़के अमेरिकी सांसद, कहा- सब बर्बाद कर दिया

एजेंसी/ वाशिंगटनः अमेरिकी कांग्रेसमैन रो खन्ना ने कहा है कि भारत और अमेरिका के रिश्ते पिछले 30 सालों के सबसे निचले स्तर पर हैं। उन्होंने इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया है। डेमोक्रेट सांसद ने वॉशिंगटन, डीसी में यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) लीडरशिप समिट 2026 में ट्रंप की विदेश नीति की कड़ी आलोचना की और तर्क दिया कि ईरान के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की आक्रामकता ने भारत को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचाया है।

रो खन्ना ने यह भी कहा कि अगर उनकी बात पर यकीन न हो तो भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से इसकी पुष्टि की जा सकती है। अमेरिकी सांसद ने ईरान पर हमले की कड़ी आलोचना की और इसे पारंपरिक सहयोगियों से सलाह

लिए बिना शुरू किया गया एकतरफा युद्ध बताया। समिट में भारतवंशी अमेरिकी कांग्रेसमैन खन्ना ने कहा कि मैं घुमा-फिराकर बात करने वालों में नहीं हूं। मैं चीजें वैसी ही बताता हूं, जैसी वे हैं। अमेरिका -भारत संबंध पिछले 30 वर्षों में सबसे निचले स्तर पर हैं। उन्होंने ईरान के खिलाफ ट्रंप के युद्ध को बेहद विनाशकारी बताया और कहा कि इसने भारत में गैस की कीमतों पर बहुत बुरा असर डाला है।

बिना सलाह एकतरफा युद्ध से उठा भरोसाः अमेरिकी सांसद ने आगे कहा कि हमने अपने सहयोगियों- यूरोप, कनाडा या भारत से सलाह लिए बिना एकतरफा युद्ध किया। इसने दुनिया में गड़बड़ी पैदा की और हमारी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने टैरिफ विवाद को अतार्किक बताया और चीन में भारतीय राजदूत के साथ एक मुलाकात का जिक्र किया। खन्ना ने कहा कि मैं चीन में था और भारतीय राजदूत ने मुझसे कहा, आपके इन राष्ट्रपति की वजह से पीढ़ी का भरोसा टूट गया है।

भारत के साथ संबंधों को बहुत महत्त्व देते हैं ट्रंप : वाशिंगटनः भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस बात को खारिज किया कि भारत-अमरीका के बीच संबंध कमजोर हो रहे हैं। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम लीडरशिप समिट को संबोधित करते हुए गोर ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत के साथ संबंधों को बहुत महत्त्व देते हैं और व्यापार, तकनीक, रक्षा और निवेश के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत में अ अमेरिकी राजदूत ने एक घटना का जिक्र किया, जब ट्रंप ने मियामी से पीएम मोदी को सुबह छह बजे फोन करने का फैसला किया, यह तब हुआ था, जब ट्रंप वहां अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप के मुकाबले देख रहे थे। गोर ने ट्रंप की बात याद करते हुए कहा, मैंने कहा सर वहां (भारत में) सुबह के 6 बजे हैं। उन्होंने कहा, वह (मोदी) जाग रहे होंगे। वह (मोदी) मेरी तरह ही हैं।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से झटका, जन्मसिद्ध नागरिकता सीमित करने वाले नियम के खिलाफ दिया फैसला,3

एजेंसी/ वाशिंगटनः अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। अदालत ने मंगलवार को ट्रंप के उस एग्जीक्यूटिव ऑर्डर को रद्द कर दिया, जिसमें उन्होंने जन्म के आधार पर मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता को सीमित करने की कोशिश की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में संविधान के 14वें संशोधन की पुरानी व्याख्या को सही ठहराया है। इसके तहत अमेरिकी धरती पर जन्म लेने वाले लगभग हर बच्चे को नागरिकता का अधिकार मिलता है। ट्रंप ने जनवरी, 2025 में दोबारा राष्ट्रपति पद संभालने के पहले ही दिन इस आदेश पर दस्तखत किए थे।

इस आदेश का मकसद उन बच्चों को जन्मसिद्ध नागरिकता से वंचित करना था, जिनके माता-पिता देश में अवैध रूप से रह रहे थे या अस्थायी वीजा पर आए थे। ट्रंप के इस नियम के मुताबिक, नागरिकता सिर्फ उन्हीं बच्चों को मिल सकती थी जिनके माता-पिता में से कम से कम कोई एक अमरीकी नागरिक हो या वहां का स्थायी निवासी (ग्रीन कार्ड होल्डर) हो। ट्रंप के इस इमिग्रेशन एजेंडे को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से निचली अदालत के ट्रंप के फैसले पर रोक लगाने वाले आदेश को बरकरार रखा। दरअसल ट्रंप का लंबे समय से तर्क रहा है

अमरनाथ यात्रा : जम्मू में रजिस्ट्रेशन और आरएफआईडी प्रक्रिया शुरू, श्रीनगर के ट्रांजिट कैंपों में जुटे श्रद्धालु

नई दिल्ली :श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर में सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। बुधवार को जम्मू में यात्रियों के लिए मौके पर ही पंजीकरण और आरएफआईडी कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू हुई। शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

जम्मू में मौके पर ही रजिस्ट्रेशन कराने और आरएफआईडी कार्ड के लिए बड़ी संख्या में तीर्थयात्री कतारों में खड़े नजर आए। अमरनाथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह भी देखा गया। एक तीर्थयात्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुझे पहले बैच में मौका मिलेगा। मैं काफी समय से कोशिश कर रहा था। जम्मू में श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा को लेकर की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। एक तीर्थयात्री ने कहा, मैं पिछली बार भी यात्रा पर गया था। इस बार भी यात्रा के लिए जा रहा हूं। यह व्यवस्थाएं बहुत अच्छी लग रही हैं।

तीसरे जत्थे में जाने वाले एक तीर्थयात्री ने कहा, मैं तीसरी बार यात्रा के लिए जा रहा हूं। सारी सुविधाएं अच्छी हैं। हालांकि, रजिस्ट्रेशन और आरएफआईडी कार्ड के लिए थोड़ी परेशानी होती है। इसके बाद काफी सुकून मिल जाता है और विश्वास हो जाता है कि बाबा के दर्शन कर पाएंगे।

वहीं, अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना होने से पहले श्रीनगर में यात्री ट्रांजिट कैंप में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। एक तीर्थयात्री ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। मैं वहां पहली बार जा रहा हूं। एक महिला तीर्थयात्री ने कहा, मैं बाबा भोलेनाथ में आस्था लेकर आई हूं। उन्होंने हमें बुलाया है और वही दर्शन कराएंगे।

महिला ने बताया कि वह भी पहली बार अमरनाथ यात्रा के लिए आई हैं। उन्होंने प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हम बुधवार रात को ट्रांजिट कैंप पहुंचे थे। यहां व्यवस्थाएं अच्छी हैं। किसी भी चीज की कमी नहीं है।

बता दें कि अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू होगी और 28 अगस्त को खत्म होगी। पहलगाम रास्ते से मंदिर तक पहुंचने में लगभग चार दिन लगते हैं। बालटाल से जाने वाला रास्ता छोटा है, जहां दर्शन के बाद उसी दिन वापस लौटा जा सकता है।

जून में यूपीआई ट्रांजैक्शन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 23% बढ़ा डिजिटल भुगतान

नई दिल्लीः यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से लेनदेन जून में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 22.72 अरब पर पहुंच गया है। इस दौरान इनकी वैल्यू 20 प्रतिशत बढ़कर 28.92 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह जानकारी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से बुधवार को जारी डेटा में दी गई।

औसत आधार पर यूपीआई से जून में 75.7 करोड़ लेनदेन प्रतिदिन हुए हैं। इस दौरान प्रतिदिन लेनदेन की औसत वैल्यू 96,405 करोड़ रुपए रही है।

मई में यूपीआई लेनदेन की संख्या 23.20 अरब थी और इनकी वैल्यू 29.90 लाख करोड़ रुपए रही थी। इस दौरान औसतन, यूपीआई ने मई में हर दिन लगभग 74.8 करोड़ लेनदेन प्रोसेस किए, और प्रतिदिन लेनदेन की औसत

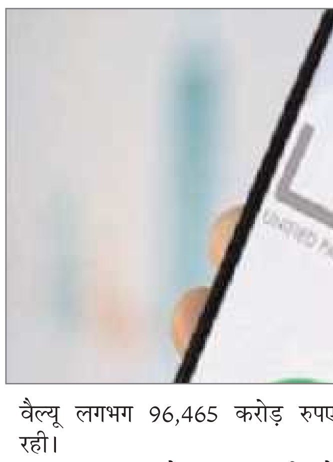

वैल्यू लगभग 96,465 करोड़ रुपए रही।

10 साल पहले आम आदमी को डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम से जोड़ने के लिए शुरू हुआ यूपीआई अब पूरे भारत में रोजाना करोड़ों लेनदेन को आसान बनाता है। यूपीआई लेनदेन की संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में सिर्फ 2 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 24,162 करोड़ से अधिक हो गई है। यूपीआई अब यूएआई, सिंगापुर, फ्रांस, मॉरिशस और श्रीलंका समेत आठ से अधिक देशों में उपलब्ध है, जिससे ग्लोबल फिनटेक सेक्टर में भारत की मौजूदगी मजबूत हुई है।

हाल ही में ग्रीस में यूपीआई के शुरू होने के बाद ग्राहक तुरंत, सुरक्षित और आसानी से पैसे भेज सकते हैं और लेनदेन की लागत पारंपरिक तरीकों की तुलना में बहुत कम हो गई है।

पिछले महीने, अमेरिका के पेमेंट सिस्टम के भविष्य पर चर्चा करते हुए अमेरिकी सांसदों ने भारत के यूपीआई का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि कैसे आधुनिक पब्लिक पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट सेक्टर में इनोवेशन को बढ़ावा दे सकता है। इस दौरान फिनटेक कंपनियों ने कांग्रेस से अमेरिका के पेमेंट नेटवर्क तक पहुंच से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव करने की मांग की।

ताइवान का चीन में विलय तय , शी जिनपिंग की दोटूक चेतावनी, बोले- हर हाल में पूरा होगा ऐतिहासिक मिशन

बीजिंग/एजेंसीः चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ताइवान को लेकर एक बार फिर अपना सख्त रुख दोहराते हुए कहा है कि ताइवान का चीन में विलय चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) का ऐतिहासिक मिशन है और इसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। पार्टी के 105वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि यह कम्युनिस्ट पार्टी की अटल प्रतिबद्धता है, जिससे पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

शी जिनपिंग ने अपने संबोधन में ताइवान की स्वतंत्रता की वकालत करने वाले अलगाववादी समूहों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि चीन ऐसे सभी प्रयासों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ताइवान मामले में किसी भी तरह के बाहरी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया

जाएगा और नई परिस्थितियों के अनुरूप पार्टी की रणनीति को पूरी तरह लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि चीन अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की हर कीमत पर रक्षा करेगा। साथ ही दोहराया कि राष्ट्रीय एकीकरण (नेशनल यूनिफिकेशन) के लक्ष्य को हर हाल में आगे बढ़ाया जाएगा और इस दिशा में प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

मजबूत देश के लिए मजबूत सेना जरूरीः अपने भाषण में शी जिनपिंग ने सैन्य शक्ति को मजबूत बनाने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक शक्तिशाली देश के लिए मजबूत सेना अनिवार्य है और केवल सक्षम सैन्य बल ही राष्ट्रीय सुरक्षा की गारंटी दे सकता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब ताइवान स्ट्रेट में चीन की सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं और क्षेत्रीय तनाव बना हुआ है।

चुनौतियों से पीछे नहीं हटेगा चीनः

राष्ट्रपति जिनपिंग ने स्वीकार किया कि चीन इस समय अवसरों के साथ-साथ कई जोखिमों और चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे विरोधी कितना भी शक्तिशाली हो, रास्ता कितना भी कठिन क्यों न हो या चुनौतियां कितनी भी बड़ी हों, चीन पीछे हटने वाला नहीं है।

भ्रष्टाचार पर भी सख्त संदेशः अपने संबोधन के अंत में शी जिनपिंग ने पार्टी नेताओं से संकट की भावना बनाए रखने, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने तथा उच्च गुणवत्ता वाले विकास को गति देने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता पर भी सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि पार्टी की शुद्धता और मजबूती को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी तत्व को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लैंडिंग के दौरान स्पाइसजेट विमान का टायर फटा, मची चीख-पुकार; 148 यात्री थे सवार

पटनाः बिहार के दरभंगा हवाई अड्डे पर मुंबई से आए स्पाइसजेट के एक विमान का उतरते समय टायर फट गया। इस घटना में विमान में सवार करीब 148 यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, स्पाइसजेट की उड़ान संख्या एसजी-115 सुबह 9:48 बजे रनवे पर उतर रही थी, तभी विमान का एक टायर फट गया। यात्रियों ने बताया कि क्षतिग्रस्त पहिया कुछ दूरी तक रनवे पर घिसटता रहा, जिससे विमान में तेज कंपन महसूस हुआ और यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। दरभंगा हवाई अड्डे के निदेशक दिलीप कुमार ने कहा, विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई और सभी यात्रियों को सामान्य तरीके से विमान से उतार लिया गया। विमान के पूरी तरह रुकते ही हवाई अड्डा प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और सभी 148 यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

निदेशक ने बताया कि घटना के बाद विमान को मुख्य रनवे से हटाकर एप्रन पर ले जाया गया, जहां तकनीकी जांच की गई और टायर फटने के कारणों का पता लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई। निदेशक के अनुसार, टायर बदले जाने और संबंधित अधिकारियों से सभी आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद विमान को सोमवार शाम 6:13 बजे उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई।

राजनाथ सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्लीः कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के खिलाफ लोकसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। उन्होंने आरोप लगाया है कि राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों के शहीद होने के संबंध में सदन को गुमराह किया। वेणुगोपाल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से आग्रह किया कि सदन को गुमराह करने के लिए रक्षा मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने नोटिस में कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में 28 जुलाई, 2025 को हुई चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री ने सदन में कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सैनिकों को कोई क्षति नहीं हुई है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इसके विपरीत बाद में जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों के छह जवानों की मृत्यु हुई थी। वेणुगोपाल ने अपने नोटिस में दावा किया कि इन तथ्यों से स्पष्ट है कि रक्षा मंत्री का सदन में दिया गया बयान गलत और भ्रामक था। उन्होंने कहा कि किसी मंत्री द्वारा सदन को गुमराह करना अथवा सदन से तथ्य छिपाना विशेषाधिकार का हनन और सदन की अवमानना माना जाता है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से इस मामले में रक्षा मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू करने का आग्रह किया। इससे पहले कांग्रेस ने सोमवार को कहा था कि रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के विषय में संसद में झूठ बोलकर शहीदों का अपमान किया है और ऐसे में उन्हें पद से इस्तीफा देना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने दिया इस्तीफा राष्ट्रपति ने तत्काल प्रभाव से किया मंजूर

नई दिल्लीः केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक मामलों तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने केंद्रीय मंत्रिपरिषद से जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। इसके साथ ही उनका मंत्री पद का कार्यकाल समाप्त हो गया। 65 वर्षीय जॉर्ज कुरियन अगस्त 2024 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी केंद्र सरकार में राज्य मंत्री के रूप में कार्यरत थे। वे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं और वर्ष 1980 में पार्टी की स्थापना के समय से ही उससे जुड़े रहे हैं। जानकारी के अनुसार, उनका राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो गया था, जिसके चलते उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा। सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने उन्हें दोबारा राज्यसभा के लिए नामित नहीं किया, जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया। राजनीति के अलावा जॉर्ज कुरियन विधि क्षेत्र से भी जुड़े रहे हैं। उन्होंने भारत के सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस की है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, उनका जन्म 20 सितंबर 1960 को केरल के कोट्टायम जिले के एट्टुमानूर नगर पालिका क्षेत्र के नाम्बियाकुलम में हुआ था। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा अपने गृह क्षेत्र में प्राप्त की और बाद में कानून में स्नातक तथा स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। जॉर्ज कुरियन ने 9 जून 2024 को केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद 11 जून 2024 को उन्होंने अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय में अपना कार्यभार संभाला था। केंद्रीय मंत्री बनने से पहले वे राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने पूर्व रेल राज्य मंत्री ओ. राजगोपाल के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में भी जिम्मेदारियां निभाई थीं।

डंपर सहित सतलुज में जा गिरा लोहे का पुल, टापरी-चोलिंग सडक बंद

रिकांगपिओः किन्नौर जिला में टापरी-चोलिंग के बीच राष्ट्रीय उच्च मार्ग 05 पर सतलुज नदी पर बना लोहे का पुल टूट गया है। साथ ही एक डंपर भी पुल सहित नदी में जा गिरा है। पुल के टूटने से सडक बंद हो गई। अब गाड़ियों को बाया उरनी-चोलिंग मार्ग से भेजा जा रहा है। डंपर में सवार व्यक्ति ठीक बताया जा रहा है। घटना के कारणों अभी पता नहीं लग पाया है। पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर घटना की जांच में लगी है। सभी वाहनों को बाया उरनी चोलिंग सडक मार्ग से भेजा जा रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

डॉक्टर्स डे पर कैंप लगाकर मरीजों की जांच की

जमशेदपुर : डॉक्टर्स डे पर शहर के विभिन्न जगहों पर कैंप लगाया जा रहा है। इस अवसर पर रोटरी क्लब द्वारा जमशेदपुर ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर, भिलाई पहाड़ी में शिशु एवं मां की जांच कैंप, केरला पब्लिक स्कूल कदमा में नेत्र जांच शिविर लगाया या है। इसके अलावा एमजीएम अस्पताल में डॉक्टरों ने केक काटकर इस दिवस को मनाया और एक दूसरे को बधाई दी। वहीं कुछ डॉक्टरों ने जांच शिविर लगाई।

गोविंदपुर वासियों ने दिन में नो एंट्री लगाने की मांग की, डीसी को सौंपा ज्ञापन

जमशेदपुर : गोविंदपुर के निवासियों ने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर दिन में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की है। पंचायत समिति सदस्य और भारतीय भोजपुरी संघ के अध्यक्ष अंजय कुमार सिंह भोला के नेतृत्व में गोविंदपुर वासियों ने इस आशय का मांग पत्र उपायुक्त राजीव रंजन को आज सौंपा। उन्होंने कहा कि भारी वाहनों की वजह से समस्याएं बढ़ रही हैं। वहां एक माह में तीन मौतें भारी वाहनों से कुचलकर हो चुकी हैं। इस आशय की मांग डीटीओ दिलीप कुमार से भी की गई है। ज्ञापन सौंपने वालों में बीसी मिश्रा, शुभ दयाल सिंह, टीएन सिंह, सच्चिदानंद सिंह, बीके सिंह, राजेश शर्मा, निर्मल कुमार सिंह, शंभू शरण, राम मूरत सिंह, के के तिवारी, संजय सिंह, उमेश यादव, रविंद्र सिंह, अशोक कुमार, जुगनू वर्मा, राजा दत्ता, राजेश गुप्ता, मनोज ठाकुर, दिनेश सिंह सहित कई और लोग शामिल थे।

सफाईकर्मियों को मानक के अनुसार वेतन मिले : सरयू राय

जमशेदपुर : विधायक सरयू राय ने सोनारी के कुंज नगर का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था और सफाईकर्मियों को निर्धारित वेतन नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि 50 स्वीकृत सफाईकर्मियों के स्थान पर केवल 32 कर्मी कार्यरत मिले, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। सफाईकर्मियों ने उन्हें पूरा वेतन नहीं मिलने तथा पीएफ और ईएसआई की कटौती की जानकारी नहीं होने की शिकायत की। राय ने बताया कि राज्य सरकार के 1 अप्रैल 2026 के अधिसूचना के अनुसार अकुशल मजदूरों को 491 रुपये प्रतिदिन मिलना चाहिए। उन्होंने जेएनएसी अधिकारियों से पीएफ और ईएसआई कटौती का विवरण उपलब्ध कराने तथा सभी पात्र कर्मियों को ईएसआई योजना से जोड़ने का निर्देश देने की बात कही। उन्होंने सफाईकर्मियों की संख्या बढ़ाने और व्यवस्था में सुधार के लिए जेएनएसी से रिपोर्ट मांगी। इस दौरान मुकुल मिश्रा, रवि ठाकुर, रणजीत प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद थे।

दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की परिचालन अवधि में विस्तार

धनबाद : रेलवे की ओर से चलाई जा रही स्पेशल ट्रेनों की परिचालन अवधि में विस्तार किया गया है। सोगरिया-धनबाद स्पेशल सोगरिया से 16 जुलाई से 26 नवंबर 2026 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार को और धनबाद-सोगरिया स्पेशल धनबाद से 18 जुलाई से 28 नवंबर तक सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को परिचालित की जाएगी। वहीं पटना-चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन अब पटना से 29 जुलाई तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को परिचालित की जाएगी। इसी तरह चर्लपल्ली-पटना स्पेशल अब चर्लपल्ली से 29 जुलाई तक सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को परिचालित की जाएगी।

निचितपुर में तीन दिन से लापता छात्रा का तालाब में मिला शव

धनबाद : ईस्ट बसुरिया ओपी क्षेत्र के निचितपुर टाउनशिप स्थित छठ तालाब से मंगलवार की सुबह 16 वर्षीय छात्रा देवश्री पाल का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई।

निचितपुर टाउनशीप निवासी अशोक पाल की पुत्री देवश्री बीते शनिवार की देर रात से लापता थीं। शव मिलने की सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच, धनबाद भेज दिया। परिजनों के अनुसार, शनिवार की रात करीब 1:30 बजे वह घर से निकल गई थी।

रविवार सुबह घर में नहीं मिलने पर काफी खोजबीन की गई। कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में वह रात के समय अकेले जाती हुई दिखी। इसके बाद उसके पिता ने ईस्ट बसुरिया ओपी में गुमशुदगी का सनहा दर्ज कराया था।

मंगलवार की सुबह स्थानीय लोगों ने छठ तालाब में शव तैरता देखा और इसकी सूचना मोहलीडीह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मो. आजाद को दी। सूचना मिलने पर ओपी पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को बाहर निकालवाया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से पूछताछ की तथा छात्रा का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। मामले की जांच जारी है। देवश्री टाटा डीएवी सिजुआ में 12वीं विज्ञान संकाय की छात्रा थी और कतरास में विज्ञान की ट्यूशन भी पढ़ती थी। परिवार में माता-पिता और एक भाई हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नागरिक समिति ग्रामीण क्षेत्र के 125 को किया सम्मानित

धनबाद : नागरिक समिति गोविंदपुर की ओर से मंगलवार को कौआबांध में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मैट्रिक और इंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले के ग्रामीण क्षेत्र के 125 बच्चों को सम्मानित किया गया।

इस दौरान एसएसपी प्रभात कुमार ने करीब दो घंटे तक विद्यार्थियों से बात की और उनके प्रश्नों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन एक नशा है। मोबाइल फोन को नौकर की तरह रखना चाहिए। यदि मोबाइल फोन ही मालिक हो गया तो विद्यार्थियों को मुश्किल होगी। समिति अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल ने एसएसपी का आभार जताया।

अतिथियों का स्वागत आनंद जायसवाल, संचालन जय प्रकाश मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन अनूप साव ने किया। बेहतर रिजल्ट के लिए प्राचार्य डॉ. मीरा सिंह, विजय कुमार तांती, समरेश कुमार, अशोक श्रीवास्तव, अशरफ अंसारी, डॉ. आरके शर्मा एवं गौतम सिकदर को तथा जमशेदपुर से भटककर गोविंदपुर आ गए 81 वर्षीय वृद्ध को घर पहुंचाने के लिए शिक्षक महेश कुमार यादव को एसएसपी ने सम्मानित किया।

मौके पर प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह, डॉ. यूएल विश्वकर्मा, डीएन सिंह, मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय प्रमुख रेणु दुदानी, सरोज सरिया, सुनीता बंसल, किशन अग्रवाल, बलराम साव, जितेश जायसवाल, माथुर अंसारी, मोबिन अंसारी, मोईन अंसारी, बिपिन रजक, बाबू भगत, बबलू बिस्टू, तालेश्वर साव, विश्वनाथ पाल, याकूब अंसारी, राजीव मित्तल, आदित्य अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, विश्वनाथ पाल, सुशांत पांडेय, सुरेश शर्मा, लोहा सिंह आदि मौजूद थे।

लाठी खेल में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

धनबाद : रखितपुर अंजुमन क्लब की ओर से मंगलवार को लाठी खेल प्रतियोगिता हुई। इसका उद्घाटन जेएमएम जिला सचिव मन्नु आलम ने किया। मौके पर खिलाड़ियों ने खेल के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। विधायक चंद्रदेव महतो ने खेल में बेहतर प्रदर्शन करनेवाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। मौके पर प्रखंड सचिव निर्मल रजवार, राजेंद्र हेंब्रम, इसराइल अंसारी, इमरान भारती, अताउल अंसारी, नइम अंसारी, रमजान अंसारी, विजय महतो, शमीम अंसारी आदि मौजूद थे।

हृदयानंद मिश्र के आवास पर झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रमा खलखो का हुआ स्वागत

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : रांची की पूर्व मेयर एवं झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रमा खलखो अपने सहयोगियों के साथ मेदिनीनगर के गायत्री नगर (सुदना) स्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेता, हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेशन कमेटी के सदस्य हृदयानंद मिश्र के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। उनके साथ रांची की तीन बार निर्वाचित वार्ड पार्षद श्रीमती सविता कुजूर, श्रीमती अनिता तिर्की सहित कई कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आवास पहुंचने पर श्रीमती रमा खलखो एवं उनके साथ आए सभी अतिथियों का पारंपरिक एवं गरिमामय स्वागत किया गया। हृदयानंद मिश्र की धर्मपत्नी श्रीमती बिमला मिश्रा ने सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया, जबकि हृदयानंद मिश्र ने श्रीमती रमा खलखो को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर परिवार के सदस्य डॉ. सुमित मिश्रा, अन्नपूर्णा मिश्रा तथा दोनों पौत्रियाँ आद्या एवं स्वरा भी स्वागत-सत्कार में पूरे उत्साह के साथ शामिल रहीं।

आत्मीय वातावरण में आयोजित इस मुलाकात के दौरान श्रीमती रमा खलखो ने कहा कि हृदयानंद मिश्र मेरे बड़े भाई हैं और झारखंड कांग्रेस की अमूल्य निधि हैं। आज मुझे ऐसा अनुभव हो रहा है मानो मैं किसी नेता के घर नहीं, बल्कि अपने ही परिवार में आई हूँ। बड़े भाई हृदयानंद मिश्र एवं बिमला भाभी का स्नेह और सम्मान जीवनभर स्मरण रहेगा। पलामू आने पर मैं इस घर को अपना घर मानते हुए अवश्य आऊँगी। हमारा यह भाई-बहन का रिश्ता सदैव अटूट बना रहेगा।₹

इस दौरान उपस्थित लोगों की भावनाएँ उस समय और भी प्रगाढ़ हो गईं, जब श्रीमती रमा खलखो ने हृदयानंद मिश्र एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बिमला मिश्रा के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस आत्मीय दृश्य ने सभी को भावुक कर दिया। उपस्थित कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में विनम्रता, संस्कार और बड़ों के प्रति सम्मान ही किसी जननेता की सबसे बड़ी पहचान होती है तथा ऐसे व्यवहार से संगठन की गरिमा भी बढ़ती है।

बैठक के दौरान हूल क्रांति और आदिवासी इतिहास पर भी सार्थक चर्चा हुई। श्रीमती रमा खलखो ने हृदयानंद मिश्र से हूल क्रांति की वीरांगनाओं फूलो-झानो के अद्वितीय योगदान पर विस्तृत आलेख लिखने का आग्रह किया। इस पर हृदयानंद मिश्र ने कहा कि वे शीघ्र ही इस विषय पर शोधपरक लेख लिखेंगे, ताकि समाज विशेषकर नई पीढ़ी इन वीरांगनाओं के अद्वितीय साहस और बलिदान से परिचित हो सके।

इस अवसर पर इंटक के वरिष्ठ नेता राजकुमार सिंह, झारखंड प्रदेश कांग्रेस शिक्षा विभाग के अध्यक्ष श्याम नारायण सिंह, पलामू जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव बिट्टू पाठक, पलामू जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष श्री नवल किशोर पाठक, पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष विद्या सिंह चेरो, पलामू जिला कांग्रेस स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष विनोद पाठक, पलामू जिला कांग्रेस अधिवक्ता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमित पांडेय, वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष तिवारी, कांग्रेस नेता गणेश रवि सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेसजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम के दौरान आत्मीयता, पारिवारिक सौहार्द, संगठनात्मक एकता और पारस्परिक सम्मान का वातावरण बना रहा। उपस्थित लोगों ने इसे कांग्रेस परिवार की वैचारिक एकजुटता, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक समरसता का प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन ने पीएलवी के साथ ऑनलाइन मीटिंग किया

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : इसमे पीएलवी को अपने अपने क्षेत्र के आम लोगो को कानूनी अधिकारों ,लोक अदालत व सरकारी योजनाओ के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि गांवों में जाकर बाल विवाह, मानव तस्करी, नशा उन्मूलन, डायन बिसाही कुप्रथा, पीडित प्रतिकर अधिनियम, व प्राकृतिक आपदा से मिलने वाला लाभ कैसे ले के बारे में जानकारी दी गई।उन्होंने कहा कि बरसात के समय ठनका ,बिषैले जीव जंतु ,सड़क दुर्घटना से आकस्मिक मृत्यु पर अंचल कार्यालय से राशि मिलता हैं कि बारे में भी लोगो को जागरूक करने का निर्देश दिया।उन्होंने पीएलवी के दैनिक कार्यों की रिपोर्ट ली और उन्हें ओर बेहतर ढंग से काम करने के लिए प्रेरित किया।इस मौके पर एलएडीसी के चीफ अमिताभ चन्द्र सिंह ने कहा कि पीएलवी जरूरत मन्द असहाय और बुजुर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ सरकारी तरीके से पहुचाने में मदद करे । इस मौके पर एल ए डी सी के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि पीएलवी गरीब गुरबों के लिए थाना व पंचायत में नियुक्त किये गए है।उन्हें सेवा भाव से काम करने की जरूरत है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उन्हें सुलभ सरल तरीके से न्याय कैसे मिले के लिए मदद करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी गरीब लाचार लोग न्याय से वंचित नहीं रहे ।न्याय सबको एक समान मिले।उन्होंने जेल में बंद लोगो के परिजनों से मिलकर उन्हें भी सरकारी सहायता दिलाने में मदद करने को कहा।साथ ही कहा कि छोटे मोटे विवाद को सुलह समझौता के माध्यम से निपटाने के लिए लोगो को प्रेरित करे।उन्होंने कहा कि जो लोग को बृद्धास्था पेंशन,पारिवारिक लाभ, प्रधानमंत्री आवास,पोस्टरकेयर स्पोंशरशिप आदि से मिलने वाला सहायता के बारे में प्रचार प्रसार करने पर बल दिया। मौके पर बिभिन्न प्रखंड के पीएलवी ऑनलाइन मीटिंग से जुड़े रहे।

निविदा से संबंधित विभागों को एक्सटर्नल मॉनिटर्स ने दिए कई सुझाव

धनबाद : बीसीसीएल में निविदा से संबंधित विभागों की एक्स्टर्नल मॉनिटर्स ने समीक्षा की। समीक्षा बैठक में अरविंद कुमार कादयान एवं अमृत लुगुन ने सामग्री प्रबंधन विभाग, कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट सेल तथा असैनिक विभाग के अधिकारियों के साथ बीसीसीएल निविदा प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान निविदा प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों, प्रक्रियात्मक पहलुओं एवं अन्य संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा दोनों विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए। हाल ही में आमंत्रित एवं संपादित की गई निविदाओं, निविदा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों, तकनीकी निविदाओं के परीक्षण, मूल्यांकन प्रक्रिया तथा निविदा प्रणाली से जुड़े अन्य तकनीकी एवं प्रक्रियागत विषयों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। साथ ही निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता, दक्षता एवं सतर्कता संबंधी मानकों के प्रभावी अनुपालन पर विशेष बल दिया गया।कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) धनराज आखरे, महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) आनंद कुमार, विभागाध्यक्ष (कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट सेल) विक्रम कुमार सहित असैनिक विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।एक्स्टर्नल मॉनिटर्स ने सीएमडी बीसीसीएल, मनोज कुमार अग्रवाल से भी मुलाकात की। इस दौरान निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। सीएमडी ने दोनों स्वतंत्र बाह्य मॉनिटरों का स्वागत करते हुए उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन को संगठन की पारदर्शी, निष्पक्ष एवं उत्तरदायी कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

मॉर्निंग वॉक करने जा रही महिला से चेन छीनी

धनबाद : मॉर्निंग वॉक करने गई महिला से गोल्फ ग्राउंड के पास बाइक सवार बदमाशों ने चेन छीन ली। घटना मंगलवार सुबह 4.55 बजे की है। सहजानंद नगर की रहने वाली इंदू सिन्हा ने धनबाद थाने में मामले की शिकायत की है। पुलिस को बताया कि वह घर से पैदल गोल्फ ग्राउंड टहलने के लिए जा रही थीं। सुबह जैसे ही वह डीडीसी आवास के गुजरकर भुईंफोड़ मंदिर के रास्ते में गईं, पीछे से बाइक पर सवार दो युवक आए और उनके आगे गाड़ी रोक दी। पीछे बैठा युवक बाइक से उतरकर उनकी तरफ दौड़ा और गले से जबरन सोने की चेन छिनतई कर ली। शिकायतकर्ता की ओर से पुलिस को पूरे घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज भी सौंपा गया है। मालूम हो कि हाल के दिनों में लगातार गोल्फ ग्राउंड के पास चेन छिनतई की घटनाएं बढ़ गई हैं।

कैथलैब का एसी एक माह से खराब गंभीर मरीजों की बढ़ रही पीड़ा

धनबाद : जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल की बदहाल व्यवस्था मरीजों की पीड़ा बढ़ा रही है। भीषण गर्मी के बीच मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कैथलैब का एयर कंडीशनर (एसी) पिछले करीब एक महीने से खराब पड़ा है। ऐसे में गंभीर रोग से पीड़ित मरीजों को इलाज के दौरान उमस और गर्मी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं उनके परिजन भी काफी परेशान हैं। स्थिति इतनी खराब है कि कई मरीजों के परिजन घर से स्टैंड पंखा लाकर वार्ड में लगा रहे हैं ताकि उनके मरीजों को कुछ राहत मिल सके। अस्पताल में भर्ती मरीजों का कहना है कि तेज गर्मी के कारण सांस लेने में तकलीफ और बेचैनी बढ़ जाती है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ रही है।

कैथलैब की फॉल्स सीलिंग भी पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। कई जगहों पर सीलिंग टूटकर लटक रही है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों में हर समय हादसे का डर बना रहता है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इसके बावजूद अब तक संबंधित विभाग की ओर से स्थायी समाधान नहीं किया गया है। मरीजों के परिजनों का आरोप है कि कई बार अस्पताल प्रबंधन को एसी और फॉल्स सीलिंग की खराब स्थिति की जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि जिस स्थान पर गंभीर रोगियों का इलाज होता है, वहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव बेहद चिंताजनक है। स्थानीय मरीज के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन से जल्द से जल्द कैथलैब का एसी ठीक कराने, जर्जर फॉल्स सीलिंग बदलने और मरीजों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि इलाज के दौरान किसी तरह की परेशानी या दुर्घटना की आशंका न रहे।

आवारा कुत्ते ने चार साल के बच्चे को बुरी तरह नोचा

धनबाद : गिरिडीह जिले के अहिल्यापुर थाना क्षेत्र स्थित जमजोरी गांव में बाहरुदन अंसारी के चार वर्षीय पुत्र अयान अंसारी को आवारा कुत्ते ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। कुत्ते ने बच्चे के चेहरे पर हमला कर गाल के पास गहरा जख्म पहुंचाया है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार जमजोरी गांव निवासी चार वर्षीय बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान एक आवारा कुत्ता अचानक उस पर टूट पड़ा और चेहरे की बाईं ओर गाल के पास बुरी तरह नोच दिया। हमले के दौरान कुत्ता काफी देर तक बच्चे को नहीं छोड़ रहा था।बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद कुत्ते को वहां से भगाया। चेहरे पर गंभीर जख्म होने के कारण डॉक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए बच्चे को रिम्स भेज दिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में बढ़ते आवारा कुत्तों के आतंक पर चिंता जताते हुए प्रशासन से शीघ्र प्रभावी कार्रवाई और आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

एमजीएम अस्पताल में लगा रक्तदान शिविर

जमशेदपुर : एमजीएम अस्पताल में डॉक्टर्स डे पर रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर अस्पताल के अधिक्षक डा. बलराम झा ने रक्तदान के महत्व और उसके लाभ की जानकारी दी। कहा कि इससे खुद भी स्वस्थ होंगे और अन्य जरूरतमंद एवं बीमार लोगों की जान बचाई जा सकेगी। इस कैंप में वहां कई युवा छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किए। अन्य डॉक्टरों ने युवाओं को कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने की जरूरत है।

जामताड़ा में सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत

संवाददाता

जामताड़ा : जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य सड़क पर सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है। एक तेज रफ्तार पिकअप वैन और मोटरसाइकिल के बीच सीधी टक्कर के कारण यह हादसा हुआ है। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य सड़क को घंटों जाम रखा।

घटना मंगलवार को दोपहर बाद हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार तेज रफ्तार पिकअप वैन और मोटरसाइकिल की आमने-सामने जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक मोटरसाइकिल से जामताड़ा शहर से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान नारायणपुर थाना क्षेत्र के कोरीडीह वन के पास गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य सड़क पर विपरीत दिशा से आ रही तेज

रफ्तार मछली लदी पिकअप वैन ने टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार दोनों युवकों की मौत हो गई।

घटना के बाद लोगों ने किया सड़क जाम

घटना के बाद स्थानीय लोग काफी उत्तेजित हो गए और गुस्साए लोगों ने गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य सड़क को जाम कर दिया। इस कारण सड़क की दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इस दौरान आक्रोशित लोग नारेबाजी भी कर रहे थे और मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने एवं लापरवाही से गाड़ी चलाने वाले चालक पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की टीम

इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद नारायणपुर थाना की पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पदाधिकारियों ने उत्तेजित लोगों को समझाने-बुझाने का काम किया। साथ ही दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

नारायणपुर थाना प्रभारी ने की पुष्टि

इस संबंध में नारायणपुर के थाना प्रभारी ने बताया कि दो मोटरसाइकिल सवार जामताड़ा से वापस घर लौट रहे थे। इसी क्रम में विपरीत दिशा से आ रही है पिकअप वैन से आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों की मौत हो गई है। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है।